DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

वर्ष : 33 | अंक : 318 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, सोमवार, 3 फरवरी 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

'मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी है'

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को आरके पुरम पहुंचे। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि 'आप दा' के नेता अब पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। 'आप दा' ने दिल्ली के 11 साल बर्बाद किए हैं और वो दिल्लीवासियों से झूठा वादा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, ' मैंने विकसित भारत के निर्माण के लिए चार स्तंभों को मजबूत करने की गारंटी दी थी - गरीब, किसान, नौजवान और नारी शक्ति। कल जो बजट आया है वो मोदी की ऐसी ही गारंटियों को पूरा करने की गारंटी है। बीते सालों में हमने देश के गरीब को मुफ्त इलाज, मुफ्त अनाज और पक्का घर ऐसी अनेक सुविधाएं दी है। अब इस साल के बजट के बारे में आपने कल टीवी पर देखा होगा आज सारे के अखबार तो भरे पड़े हैं। उसका कारण है कल का बजट जनता जनार्दन का बजट है।'

दिल्ली की रैली में पीएम मोदी

बजट के बारे में पीएम मोदी ने की बात

पीएम मोदी ने बजट 2025 के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह जनता जनार्दन की आकाक्षाओं का बजट है। आप भी जानते हैं 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10वें नंबर से 5वें नबर तक पहुंच चुकी है। यानी देश की आर्थित शक्ति बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। पहले का सिस्टम रहता तो देश की ये कमाई घोटाले में चली जाती। आपके पसीने की कमाई कुछ लोगों ने हड़प कर ली होती। लेकिन बीजेपी की ईमानदार सरकरा देशवासियों का एक एक पैसा देश वासियों की भलाई के लिए चाहे वो गरीब हो मिडिल क्लास के लिए हों हमने उनके कल्याण के लिए लगा रखा है'।

हर परिवार के लिए खुशियां लाया है बजट 2025

उन्होंने कहा, 'ये बजट ऐसा आया है कि हिन्दुस्तान का हर परिवार खुशियों और उमंग से भर गया है। हमारी सरकार ने 12 लाख तक की आमदनी पर इनकम टैक्स पूरी तरह 0 कर दिया है और इससे मध्यवर्ग के लोगों के हजारों रुपये बचेंगे। और इसलिए तो मैंने कल कहा कि ये बजट मिडिल क्लास की जेब भरने वाला बजट है। दिल्ली की मिडिल क्लास परिवारों के जेब में भी हजारों करोड़ एक्सट्रा आएंगे।

रोड, रेल, एयरपोर्ट, बिजली आदि पर खर्च कर रही है सरकार

उन्होंने कहा, 'भाजपा सरकार आज देश का पैसा रोड, रेल, एयरपोर्ट, पानी, बिजली, इंटरनेट, अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल, बड़े कारखाने ये सब बनाने में खर्च कर रही है। इस बजट के लागू होने के बाद कपड़े, जूते, टीवी, मोबाइल फोन, ऐसी अनेक चीजों की मैन्यूफेक्चरिंग भी सस्ती होगी। इससे मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा और इनकी कीमत भी कम होगा।

अभिषेक के शतकीय तूफान में उड़ी इंग्लैंड टीम

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया है। भारत ने रविवार को आखिरी टी20 मैच में इंग्लैंड को 150 रनों से धूल चटाई। अभिषेक शर्मा (135) के शतकीय तूफान में इंग्लैंड टीम उड़ गई। भारत ने 248 रनों का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पारी 10.3 ओवर में 97 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन ओपनर फिल साल्ट ने बनाए। उन्होंने 23 गेंदों में 7 चौकों और 3 छक्कों के जरिए 55 रन बटोरे। जैकब बेथल ने 10 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर (7), हैरी ब्रूक (2) और लियाम लिविंगस्टोन (9) समेत इंग्लैंड के आठ प्लेयर दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। बैन डकेट का खाता नहीं खुला। भारत के लिए मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए। वरुण चक्रवर्ती, शिवम दुबे और अभिषेक ने दो-दो जबकि रवि बिश्नोई ने एक शिकार किया। इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवरों में 247 रन जोड़े। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने यागदार शतक जमाया। उन्होंने 54 गेंदों में 7 चौकों और 13 छक्कों के जरिए 135 रन बनाए। यह भारत के लिए सबसे बड़ी टी20 पारी है। उनके अलावा शिवम दुबे ने 30 और तिलक वर्मा ने 24 रनों का योगदान दिया।

'केजरीवाल की स्पेशल टीम में एक भी दलित, मुसलमान, पिछड़ा नहीं'

एजेंसी । नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए सभी राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत लगा दी है। रविवार के कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के हौज काजी चौक में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी के साथ-साथ बीजेपी पर भी निशाना साधा। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान में दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। एक तरफ नफरत, हिंसा और अहंकार है तो दूसरी तरफ मोहब्बत, एकता, भाईचारा, संविधान और कांग्रेस पार्टी है। ये आप भूलिए मत ये विचारधारा की लड़ाई है।

'केजरीवाल और मोदी जी की सोच एक ही'

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे कहा कि ये केजरीवाल की नई तरह की राजनीति है। केजरीवाल और मोदी जी की सोच लगभग एक ही है। ये लोग आपके पास न तो आते हैं और न ही आपकी मदद करते हैं। आपकी रक्षा करने वाली केवल एक ही पार्टी है और वो है कांग्रेस पार्टी। जहां भी आपको धमकाया जाएगा और डराया जाएगा, वहां राहुल गांधी दिखेगा।

महायुति गठबंधन में निकाय चुनाव से पहले स्थिरता और एकता

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधानसभा चुनाव 2024 में ऐतिहासिक सफलता मिलने से महायुति सरकार में शामिल बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) एवं राकां (अजित पवार) पार्टी की मांग बढ़ गई है। निकट भविष्य में होनेवाले मनपा (निकाय) चुनाव के मद्देनजर विपक्षी गठबंधन में बड़े प्रमाण में पलायन देखने को मिल रहा है। लेकिन सिर्फ विपक्ष के नेता ही पलायन कर रहे हैं ऐसा नहीं है, बल्कि महायुति के घटक दलों के कई नाराज नेता महायुति के अंदर ही दल बदलने को कोशिशों में जुटे हैं। अपने नेताओं की ऐसी कोशिशों पर लगाम लगाने की निर्णय महायुति के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने लिया है।

महायुति में शामिल होने की कोशिश

लोकसभा एवं विधानसभा 2024 के खत्म होने के बाद कम से कम अगले पांच साल तक सरकारी पावर और समर्थन का सुख भोगने की चाह रखनेवाले विपक्ष के नेताओं में महायुति के घटक दलों में जाने की होड लगी है। शिवसेना यूबीटी के सांसदों, विधायकों एवं दूसरे नेताओं पदाधिकारियों को तोड़ने के लिए डीसीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने ऑपरेशन टाइगर चलाया है।

महायुति में भी दल बदल की आशंका

इन सब के बीच लोकसभा-विधानसभा चुनाव में टिकट, मंत्री पद कटने से नाराज तथा निकाय चुनाव में उम्मीदवारी नहीं मिलने की आशंका से ग्रस्त महायुति के घटक दलों के कई नेता महायुति के ही दूसरे घटक दलों में जाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसी संभावनाओं पर विराम लगाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजित पवार ने मुंबई में बैठक की।

राजस्थान के बीकानेर में भूकंप से हिली धरती

एजेंसी । बीकानेर

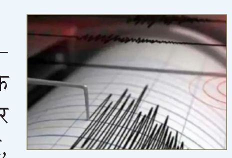

राजस्थान के बीकानेर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रविवार दोपहर को राजस्थान के बीकानेर क्षेत्र में रिक्टर स्केल पर 3.6 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 10 किमी की गहराई पर स्थित था, जिसका निर्देशांक 27.76 N और देशांतर 73.72 E था।हालांकि अभी तक किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन अचानक आए झटकों से लोग घबरा गए हैं।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE

केन्द्रीय बजट 2025-26

बेहतर अप्रत्यक्ष कर, मजबूत आर्थिक विकास

ट्रेड फ़ैसिलिटेशन

- प्रोविजनल सीमा शुल्क मूल्यांकन के लिए 2 साल की समय सीमा तय की गई (यह 1 साल तक बढ़ाई जा सकती है)।
- स्वैच्छिक अनुपालन: आयातक/निर्यातक भौतिक तथ्यों की घोषणा कर सकते हैं और ब्याज, जुर्माना-मुक्त शुल्क का भुगतान
- आयातित इनपुट के लिए विस्तारित उपयोग अवधि: 6 महीने से 1 वर्ष तक; मासिक की जगह त्रैमासिक फाइलिंग

निर्यात को बढ़ावा

- हस्तशिल्प निर्यात की समय सीमा 1 वर्ष (+3 महीने का विस्तार) तक बढ़ा दी गई है
- घरेलू मूल्यवर्धन के लिए गीले नीले चमड़े पर पूर्ण बेसिक कस्टम्स ड्यूटी (बीसीडी) छूट
- फ्रोजन फिश पेस्ट (सुरीमी) पर बीसीडी 30% से घटाकर 5% कर दिया गया
- मरम्मत के लिए आयातित रेलवे सामानों के लिए विस्तारित निर्यात विंडो: 6 महीने से 1 वर्ष तक (+1 वर्ष का विस्तार)

घरेलू विनिर्माण को मजबूती

- कोबाल्ट पाउडर, 12 महत्वपूर्ण खनिज, लिथियम-आयन बैटरी अपशिष्ट, सीसा और जस्ता स्क्रैप पर बीसीडी छूट
- कपड़ा मशीनरी छूट का विस्तार अधिक शटल-रहित करघों तक
- एलसीडी/एलईडी टीवी पैनल के लिए ओपन सेल पार्ट्स पर बीसीडी छूट
- जहाज निर्माण और पोत तोड़ने के लिए 10 साल की बीसीडी छूट का विस्तार

सीमा शुल्क और व्यापार सुधार

- वैश्विक व्यापार को आसान बनाने के लिए निर्यात ऋण, एमएसएमई समर्थन और सीमा पार फैक्टरिंग
- निर्बाध डिजिटल व्यापार दस्तावेज़ीकरण और वित्तपोषण के लिए भारत ट्रेडनेट (बीटीएन) का शुभारंभ
- प्रमुख आपूर्ति श्रृंखलाओं और उद्योगों के लिए सुविधा समूह
- घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को सरकार का प्रोत्साहन तथा उद्योग 4.0 को अपनाना
- टियर-2 शहरों में वैश्विक क्षमता केंद्रों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ढांचा

स्वास्थ्य देखभाल और जीवनरक्षक दवाएं

- 36 जीवनरक्षक दवाओं और 13 रोगी सहायता कार्यक्रमों पर पूर्ण बीसीडी छूट
- रियायती 5% बीसीडी सूची में 6 और दवाएं जोड़ी गई

CBC 15502/13/0005/2425

स्कैन करें

@cbic_india @cbicindia @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

प्रतिबंधित कफ सिरप बिक्री गैंग का पर्दाफाश, 5 आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

युवाओं में नशे की लत इस कदर बढ़ गई है कि प्रतिबंधित दवाइयों को नशे के लिए उपयोग कर रहे हैं। जून 2023 में केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी करते हुए कई कफ सिरप के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी, इसके बावजूद आज भी कई ऐसी कंपनियां हैं जो धड़ल्ले से इसकी बिक्री कर रही हैं और कई जगह इसका भंडारण किया जा रहा है। खांसी-सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर कफ सिरप दवा लेने की सलाह देते हैं, लेकिन ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने 4 साल से छोटे बच्चों को कफ सिरप देने पर करीब-करीब 1 साल पहले से बैन लगा दिया है। बावजूद इसके ठाणे में प्रतिबंधित कफ सिरप बिक्री के गैंग का पर्दाफाश कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई ठाणे की अपराध शाखा पुलिस ने की।

पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पता था कि बिना उचित अनुमति के इन सिरप की बिक्री प्रतिबंधित है, फिर भी वे मादक पदार्थ युक्त सिरप अपने पास रखे हुए थे। नारपोली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर 31 जनवरी को भिवंडी कस्बे से 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अपराध शाखा के अधिकारियों ने 17,640 बोतलें जब्त कीं, जिनमें कोडीन फॉस्फेट, एक प्रकार का अफीम और अन्य रसायन थे। उन्होंने बताया कि इन्हें 147 बक्सों में रखा गया था और ये अवैध बिक्री के लिए थीं। अधिकारी ने कहा, 'हम जांच कर रहे हैं कि आरोपियों ने ये बोतलें कहां से प्राप्त कीं और वे इसे किसे बेचना चाहते थे।'

31.75 लाख रुपये मूल्य की बोतलें जब्त

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने दो प्रतिबंधित कफ सिरप की 31.75 लाख रुपये मूल्य की बोतलें अवैध रूप से रखने के आरोप में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मादक पदार्थों से युक्त इन कफ सिरप का अक्सर नशे के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा होता है।

आपूर्ति श्रृंखला का लगाया जाएगा पता

इस मामले के संदर्भ में कड़ी जांच कर बड़ी आपूर्ति श्रृंखला का पता लगने पर और गिरफ्तारियां की जा सकती हैं। ऐसी जानकारी पुलिस ने दी। उन्होंने बताया कि 24-45 वर्ष के पांच लोगों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मध्यम वर्ग के लिए सपनों का बजट: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय बजट को मध्यम वर्ग के लिए ड्रीम बजट करार दिया है। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के बजट में 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स मुक्त कर दिया है। यह एक साहसिक फैसला है, जो भारत के आर्थिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। फडणवीस ने कहा कि इस बजट से विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। बजट में की गई घोषणाओं से वेतनभोगी वर्ग, मध्यम वर्ग और युवाओं को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को और ज्यादा फायदा होगा। बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देना एक विवेकपूर्ण और अभिनव कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्ट-अप के लिए 20 करोड़ रुपए की ऋण सीमा तय की गई है। इससे स्टार्ट-अप का इकोसिस्टम मजबूत होगा। स्टार्टअप और उसके माध्यम से होने वाले रोजगार के अवसरों का फायदा महाराष्ट्र को होगा। मुंबई मेट्रो - 1255.06 करोड़ पुणे मेट्रो - 699.13 करोड़ एमएमआर में एकात्मिक और हरित प्रवासी सुविधा- 792.35 करोड़ सर्वसमावेशी विकास के लिए इकोनॉमिक क्लस्टर - 1094.58 करोड़ ग्रामीण सड़क सुधार परियोजना - 683.51 करोड़ महाराष्ट्र एग्री-बिजनेस नेटवर्क - 596.57 करोड़ नागनदी सुधार परियोजना - 295.64 करोड़ मुला-मुठा नदी संवर्धन - 229.94 करोड़ ऊर्जा संरक्षण व उपसा (लिफ्ट) सिंचाई परियोजना- 186.44 करोड़।

खबर संक्षेप

महिलाओं को निशाना बनाने वाला चेन स्नैचर गिरफ्तार, 68 ग्राम सोना बरामद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

लातूर जिले में हुई चेन स्नैचिंग की कई घटनाओं में शामिल 22 वर्षीय एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी कि औसा तहसील के यकतपुर निवासी राजू सहदेव जाधव चेन स्नैचिंग की घटनाओं में लिप्त है। इसके बाद पुलिस ने शुक्रवार को औसा रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास जाल बिछाकर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से 68 ग्राम चुराया हुआ सोना और एक वाहन बरामद किया है। आरोपी खासकर अकेली सड़कों पर चलने वाली महिलाओं को अपना निशाना बनाता था। पूछताछ में राजू जाधव ने लातूर शहर में पिछले कुछ महीनों में कई चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस अब उसके अन्य साथियों और इस गैंग से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार, लातूर में चेन स्नैचिंग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई है और गश्त बढ़ा दी गई है। फिलहाल, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वॉशरूम में महिलाओं का चोरी छिपे बनाने वाला स्कूल टीचर हुआ गिरफ्तार

नागपुर। नागपुर में एक निजी स्कूल के टीचर की घिनौनी करतूत सामने आई है। पुलिस ने एक प्राइवेट स्कूल में ड्राइंग टीचर के रूप में कार्यरत मंगेश विनायक खापरे को वॉशरूम में महिलाओं का अश्लील वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी टीचर महिलाओं के वॉशरूम में चोरी-छिपे वीडियो बनाता था। आरोपी को तब रंगे हाथों पकड़ा गया जब वह एक साहित्य सम्मेलन के दौरान महिला वॉशरूम का वीडियो बना रहा था।यह घटना नागपुर के सीताबर्डी थाना क्षेत्र की है, जहां एक साहित्य सम्मेलन में शामिल हुई एक महिला को वॉशरूम में कुछ संदिग्ध गतिविधियों का आभास हुआ। उसने देखा कि खिड़की से कोई मोबाइल फोन के जरिए उसका वीडियो बना रहा है। संदेह होते ही महिला ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई की और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जब इस मामले की जांच की गई तो चौंकाने वाली बातें सामने आई। पुलिस को पता चला है कि आरोपी पहले भी कई बार महिलाओं के वॉशरूम में चोरी-छिपे वीडियो बना चुका है। उसके मोबाइल फोन में पहले से ही कई महिलाओं के नहाते और वॉशरूम में मौजूद होने के वीडियो मिले हैं। आरोपी एक निजी स्कूल में ड्रॉइंग शिक्षक के रूप में कार्यरत था और अपने पद का दुरुपयोग कर इस घिनौने काम को अंजाम दे रहा था। सीताबर्डी पुलिस थाने की इंस्पेक्टर मनीषा काशीद ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उसने ये वीडियो कहां और किस मकसद से बनाए।

बिल्डर से 1.5 करोड़ रुपये वसूलने की साजिश

वसई के पूर्व नगरसेवक और उनके साथी गिरफ्तारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले में पुलिस ने वसई विरार नगर निगम के एक पूर्व नगरसेवक और उनके तीन साथियों को एक बिल्डर से 1.5 करोड़ रुपये की वसूली के प्रयास में गिरफ्तार किया है। बता दें कि पूर्व नगरसेवक ने मुंबई के वर्ली इलाके में एक स्लम पुनर्विकास परियोजना चला रहे बिल्डर के खिलाफ झूठी शिकायतें दायर की थीं। अधिकारी के मुताबिक, नगरसेवक ने इन शिकायतों को वापस लेने के बदले में पहले बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में यह राशि बातचीत के दौरान घटाकर 1.5 करोड़ रुपये कर दी गई। जब बिल्डर ने पुलिस को सूचित किया, तो पुलिस ने ठाणे जिले के भायंदर इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया। शनिवार रात को पूर्व नगरसेवक के सहायक को पहली किस्त के रूप में 25 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

मामले में पुलिस ने कही ये बात

इसके बाद पुलिस ने पूर्व नगरसेवक और उनके दो अन्य साथियों को वसई, पलघर जिले से गिरफ्तार किया। नवघर पुलिस स्टेशन के सहायक निरीक्षक अमोल तलेकर ने बताया कि मामले की जांच अभी भी जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस वसूली के प्रयास में और कौन-कौन लोग शामिल थे। फिलहाल, मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मंत्रालय में प्रवेश के लिए लागू हुआ एफ.आर.एस सिस्टम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मंत्रालय में प्रवेश के लिए लागू की गई फेस डिटेक्शन पर आधारित एफ.आर.एस (फेशियल रिकग्निशन सिस्टम) तकनीक के कारण अब मंत्रालय की सुरक्षा में वृद्धि होने के साथ-साथ शासकीय कार्यों में अधिक पारदर्शिता और गति आएगी। सभी शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि इस प्रणाली के लिए आवश्यक पंजीकरण कराएं, जिससे सभी का प्रवेश सुगम हो सके, ऐसा प्रशासन की ओर से आह्वान किया गया है। इस प्रणाली से मंत्रालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित की जाएगी और अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। इससे मंत्रालय की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी और अवांछित गतिविधियों पर भी नियंत्रण रखा जा सकेगा। साथ ही, मंत्रालय में भीड़ प्रबंधन आसान होगा और शासकीय कार्य अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनेंगे। इस तकनीक के माध्यम से केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश मिलेगा, जिससे लोगों के कार्य तेज गति से संपन्न होंगे।

ऐसी होगी व्यवस्था

मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फेशियल रिकॉग्निशन और आरएफआईडी कार्ड आधारित प्रवेश दिया जा रहा है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राप्त 10 हजार 500 अधिकारियों / कर्मचारियों की जानकारी इस प्रणाली में प्रस्तुत की गई है। इसके अनुसार, कार्यान्वयन कंपनी द्वारा सभी प्रवेश द्वारों पर फेशियल रिकॉग्निशन प्रणाली स्थापित की गई है। यह प्रणाली अब 'गो लाईव्ह' हो गई है। जनवरी 2025 से मंत्रालय के अधिकारी, कर्मचारी और संविदा कर्मचारी फेशियल रिकॉग्निशन एवं आरएफआईडी कार्ड के माध्यम से प्रवेश कर रहे हैं।

फेस डिटेक्शन पंजीकरण करना हुआ जरूरी

अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के प्रवेश के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे उनके प्रवेश में किसी प्रकार की असुविधा न हो। हालांकि, इसके लिए सभी संबंधित व्यक्तियों को फेस डिटेक्शन पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। प्रशासन ने सभी को शीघ्र ही फेस डिटेक्शन पंजीकरण कराने का आग्रह किया है। इसके साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के फेस रीडिंग से संबंधित आवश्यक डेटा को तत्काल अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि फेस रीडिंग प्रणाली अपडेट हो सके और अधिकारी एवं कर्मचारी बिना किसी कठिनाई के मंत्रालय में प्रवेश कर सकें।

इसलिए है जरूरी

मंत्रालय एक अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थान होने के कारण इसकी सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसी के तहत सरकार द्वारा मंत्रालय की आंतरिक सुरक्षा परियोजना को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस सुरक्षा परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। मंत्रालय परिसर की एकीकृत सुरक्षा और निगरानी के तहत चरण-2 की यह परियोजना, चरण-1 का स्वाभाविक विस्तार है।

उल्हासनगर महानगरपालिका की दूसरी लाइब्रेरी का जल्द होगा उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर मनपा विद्यालय की खराब दुर्दशा को देखते हुए आये दिन बच्चों की संख्या घट रही है। जिसके कारण काफी विद्यालय बंद होने की कगार पर पहुंच रहे है। इस गंभीर मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए विद्यालय को बंद होने से बचाने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने पहल शुरू की है। उल्हासनगर मनपा विद्यालय क्रमांक 17 जो सी ब्लॉक, चोपडा कोर्ट के पास है। उस विद्यालय का निर्माण कार्य शुरू है। उस विद्यालय के प्रांगण में सौ विधार्थियों के लिए एक और लाइब्रेरी तैयार किया गया है। जिसमें बैठकर शहर के विधार्थी उच्च प्रतियोगिता परीक्षा की पढ़ाई कर सकेंगे। बता दें कि

उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन ने इसके पूर्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर लाइब्रेरी 2016-17 में शुरू किया था। उस लाइब्रेरी में सैकड़ों विद्यार्थी विविध स्पर्धा परीक्षा की तैयारी करते हैं। विगत पाच वर्ष में सैकड़ों ने बच्चों विविध स्पर्धा परीक्षा में सफलता प्राप्त किये है। उस लाइब्रेरी का उद्घाटन पूर्व आयुक्त मनोहर हिरे, महापौर अपेक्षा पाटील,उपमहापौर पंचशीला पवार व उपायुक्त जमीर लेंगरेकर की संकल्पना से बना था। जिसका नाम डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर रखा गया। 2023 में तत्कालीन आयुक्त अजिज शेख व अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर की संकल्पना से दूसरी लाइब्रेरी साकार हो गई है। वर्तमान आयुक्त मनीषा आव्हाळे की शहर के विकास के काम को मिशन मोड़ पर करने के लिए मनपा की सब यंत्रणा युद्ध स्तर पर सक्रिय तौर पर काम करती दिखाई दे रही है। उल्हासनगर व्यापारिक शहर है। उसे शैक्षणिक केंद्र बनाने के उद्देश्य से मनपा के शिक्षण विभाग में काफी बदलाव किया जा रहा है। आये दिन नए-नए उपक्रम शुरू किया जा रहा है।

विभिन्न मांगों के लिए 'लोकतांत्रिक मजदूर संगठन' का आंदोलन

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

ऑर्डनंस फैक्ट्री अंबाझरी के कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न न्याय मांगों को लेकर 3 दिवसीय आंदोलन किया। इस वक्त वे अपनी न्याय मांगों पर अड़े रहे। जिसके बाद ऑर्डनंस फैक्ट्री अंबाझरी के कार्यकारी निदेशक को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें लिखित रूप में उनके समक्ष रखी गईं। बता दें कि कर्मचारियों की समस्याओं पर सकारात्मक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है। अब देखना होगा कि क्या और कब समाधान निकाला जाएगा। बता दें कि आयुध निर्माणी अंबाझरी में कार्यरत लोकशाही कामगार संगठन द्वारा

कर्मचारियों के लिए ओवरटाइम, वेल्फेयर पास की सुविधा, PLI स्कीम में सुधार, QA तथा मेंटेनेंस कर्मचारियों के प्रति हो रहे आर्थिक अन्याय को दूर करने, 10 से 7 बजे तक दिनपारी लिंक ड्यूटी बिनशर्त शुरू करने, OBC, SC एवं ST कर्मचारियों की समस्या निवारण के लिए स्वतंत्र कार्यालय की व्यवस्था करने, प्रशासन द्वारा कर्मचारियों के उत्पीड़न पर रोक लगाने इत्यादि मांगों को लेकर दिनांक 29/1/2025 से 31/1/2025 तक 3 दिवसीय आंदोलन किया गया। जिसके पहले दिन कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए पर्चा वितरण तथा दूसरे दिन गेट क्रमांक 03 पर नारेबाजी की गई और तीसरे दिन दिनांक 31/1/2025 को गेट क्रमांक 03 पर सुबह नारेबाजी के साथ ही निर्माणी गेट पर भव्य संघर्ष द्वारसभा का आयोजन किया गया, जिसे यूनियन के अध्यक्ष सुदर्शन मेश्राम द्वारा संबोधित किया गया। इस आंदोलन के अंतिम चरण के रूप में आज शनिवार दिनांक 1/2/2025 को दोपहर 12:00 बजे कर्मचारियों के मोर्चे के साथ मांगों का ज्ञापन निर्माणी के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य प्रबंध निदेशक, यंत्र इंडिया लिमिटेड को दिया गया।

मरीजों के लिए ठाणे मनोरोगी अस्पताल में खेलियाड

क्रिकेट, रस्साकसी, लागोरी, म्यूजिक चेय रऔर कैरम आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जब किसी व्यक्ति को किसी कारण से उसकी मानसिक स्थिति खराब होने के बाद देखभाल करना मुश्किल होता है, ऐसे मरीजों के लिए मानसिक अस्पताल उपचार का एक प्रमुख स्रोत हैं।इसलिए मानसिक बीमारी से उबरने में खेल भी मदद कर सकती है। ठाणे मनोरोगी अस्पताल में मनोरोगियों के लिए खेलियाड 2025 का आयोजन किया गया। इस बार क्रिकेट, रस्साकसी, लागोरी, म्यूजिक चेयर, कैरम आदि खेला गया। मनोरोगी

अस्पताल में एक सप्ताह तक चलने वाले खेल महोत्सव में मनोरोग रोगियों,अस्पताल के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए आउटडोर और इनडोर खेल प्रतियोगिताएं होंगी। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुधीर पुरी ने बताया कि सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में दौड़, बुक बैलेंसिंग, पोटैटो रेस, कैरम, रिंग टारगेट, म्यूजिकल चेयर क्रिकेट, रोपिंग आदि खेल खेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप सुपरिटेंडेंट डॉ. प्राची चिवटे,डॉ.ममता अलसपुरकर, डॉ.अर्चना गड़करी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गजानन लांजेवार, डॉ. सुरभि रानाडे, डॉ. विजया खंडेपरक, सुधीर पुरी,सुनील कोर, नितिन शिवदे आदि उपस्थित थे। 11 फरवरी 1895 को अस्पताल का स्थापना दिवस है इसलिए हर साल फरवरी के पहले सप्ताह में अस्पताल में स्वस्थ्य होने वाले मरीजों के लिए तमाम खेल प्रतियोगिता आयोजित किया जाता है।

पालघर जिले में शिंदे समूह की शिवसेना के पदाधिकारी पर जानलेवा हमला

डीबीडी संवाददाता | पालघर

पालघर जिले में जव्हार के गांधी चौक इलाके में शिवसेना (शिंदे) समूह के 75 वर्षीय उपजिला प्रमुख और पूर्व नगरसेवक विजय घोलप पर 7 लोगों ने लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर दिया। इस घटना में जव्हार पुलिस स्टेशन की टीम ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले की गहन छानबीन जारी है। जव्हार पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक किशोर मनभाव ने बताया कि इस मामले में निर्मला घटाल उर्फ़ फर्नांडीस, फ्रांसिस फर्नांडीस,माइकल फर्नांडीस,नीलम फर्नांडीस,ज्योति फर्नांडीस, कलीम काजी और कलीम काजी की पत्नी सहित सभी आरोपियों पर हत्या के प्रयास सहित अन्य आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें से 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एक फरार आरोपी की तलाश पुलिस कर रही है। किशोर मनभाव ने बताया कि विजय घोलप ने क्षेत्र में चल रहे अवैध धंधों की शिकायत की थी, प्राथमिक जांच उसी ऐंगल से की जा रही है।

हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, 7 लोगों की मौके पर मौत, 15 घायल

डीबीडी संवाददाता | नासिक

नासिक-सूरत हाईवे पर सापूताड़ा घाट पर सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। 50 श्रद्धालुओं से भरी लग्जरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 15 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसा इतनी भीषण था कि बस के गिरते ही उसके परखच्चे उड़ गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी यह बस कुंभ से आ रही थी और गुजरात के धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जा रही थी। इस बीच सापुतारा के मालेगांव घाट के पास यह हादसा हुआ। सुबह करीब 5:30 बजे

नासिक-सूरत हाईवे पर सापुतारा घाट के पास प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे के तुरंत बाद वहां चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोगों ने जब बस हादसा देखा तो तुरंत घायलों की मदद के लिए पहुंचे। पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं। वो कुंभ मेले के बाद नासिक के त्रयंबकेश्वर मंदिर गए थे। इसके बाद गुजरात देव दर्शन के लिए जा रहे थे।

'लाडकी बहन' ने राज्य की अर्थव्यवस्था की पस्त

कई योजनाओं पर लगा ब्रेक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गेम चेंजर साबित हुई लाडकी बहन योजना के कारण राज्य सरकार की तिजोरी पूरी तरह से खाली हो गई है। ऐसा दावा अब तक कई बार किया जा चुका। हालांकि, सरकार ने हर बार तमाम दावों को खारिज कर दिया था। लेकिन अब जानकारी सामने आई है कि लाड़की के कारण सरकार के विकास कार्यों पर ब्रेक लगने लगा है।

इसके कारण कई योजनाएं रोकनी पड़ गई हैं और अब उन पर पूरी तरह से ब्रेक लगने का खतरा मंडराने लगा है। क्योंकि ठेकेदार संगठनों ने ठेकेदारों के बकाए का जल्द से जल्द भुगतान की मांग करते हुए भुगतान न होने पर काम ठप करने की चेतावनी दे दी है।

आठवीं किस्त के जुगाड़ में जुटी सरकार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने 26 जनवरी 2025 से पहले लाड़की बहन योजना की लगभग ढाई करोड़ लाभार्थी महिलाओं को सातवीं किस्त का भुगतान किया था। जिस पर 3700 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। अब सरकार 8वीं किस्त के भुगतान के लिए जुगाड़ में लगी है लेकिन लाड़की के कारण सरकारी खजाना खाली हो गया है।

दूसरी कई योजनाओं के क्रियान्वयन में सरकार को परेशानी हो रही है। रिपोर्टों के अनुसार राज्य में सूक्ष्म सिंचाई सहित कई योजनाओं में धन का अभाव देखने को मिल रहा है। 52 से अधिक किसान सब्सिडी से वंचित हैं। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2023-24 के लिए 716 करोड़ रुपए की सब्सिडी रोक दी है।

ठेकेदारों ने दी काम बंद की चेतावनी

इसी दौरान अब सरकार की विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे ठेकेदारों ने सरकार को काम बंद करने की चेतावनी दी है। ठेकेदार संगठनों का दावा है कि ठेकेदारों के 89 हजार करोड़ रुपए के बिल सरकार के पास फंड के अभाव की वजह से बकाया हैं। विभिन्न विकास कार्यो के इन बकाया बिलों का भुगतान सरकार ने जुलाई 2024 से नहीं किया। क्योंकि जुलाई 2024 से ही सरकार ने लाभार्थी महिलाओं को लाड़की बहन योजना के पैसे का भुगतान शुरू किया था। ऐन विधानसभा चुनाव से पहले लाई गई लाड़की बहन योजना की पहली तीन किस्त के पैसों का भुगतान सरकार ने एक साथ किया था।

महाराष्ट्र राज्य ठेकेदार संघ (एमएससीए) ने 30 जनवरी को सरकार को दूसरा पत्र भेज कर ठेकेदारों की बकाया रकम के भुगतान की मांग की है। एमएससीए के प्रदेश अध्यक्ष मिलिंद भोसले ने मीडिया से कहा कि ठेकेदारों को 8 महीने से पैसा नहीं मिला है। हमने 14 जनवरी को पत्र लिखा था लेकिन सरकार जवाब नहीं दिया। लेकिन यदि इस बार सरकार अनदेखी करेगी तो 5 फरवरी से काम बंद कर सकते हैं। इस बारे में 4 फरवरी की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

खाली खजाने की मिली थी चेतावनी

विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर लाई गई 'लाड़की बहन योजना' की बदौलत बीजेपी नीत महायुती महाराष्ट्र की सत्ता में फिर से काबिज होने में कामयाब हो गई है। लेकिन इस योजना के कारण राज्य सरकार की आय की तुलना में व्यय बढ़ गया है। नतीजतन राज्य का राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है।

राज्य सरकार की वसूली और खर्च में कोई सामंजस्य नहीं होने का दावा करते हुए भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार (कैग) ने हाल में कहा था कि राज्य की आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने लगी है। कैग से पहले महाराष्ट्र के विपक्षी दलों एवं राज्य सरकार के वित्त विभाग ने भी कहा था कि लाड़की का वित्तीय भार राज्य के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होगा। अब ठेकेदारों के संगठन की काम बंद की चेतावनी से ये साफ़ हो गया है कि राज्य सरकार की तिजोरी खाली हो गई है।

50 करोड़ रुपए का सोना, हीरा और गांजा जब्त, 8 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) की टीम ने पिछले पांच दिनों में मुंबई एयरपोर्ट पर 50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और हीरे जब्त करके आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

कस्टम विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को मीडिया को बताया कि उनकी टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 28 जनवरी से 1 फरवरी के बीच एक विशेष अभियान चलाया था। इस दौरान कस्टम टीम ने 50.116 करोड़ रुपये मूल्य का 50.11 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, 93.8 लाख रुपये मूल्य के हीरे और 1.5 करोड़ रुपये मूल्य का 2.073 किलोग्राम सोना जब्त किया है। अभियान के दौरान सीमा शुल्क अधिनियम के तहत छह मामले दर्ज करके आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि इसी तरह कस्टम टीम ने 24-25 जनवरी को ड्रग्स, सोने की धूल और विदेशी मुद्रा जब्त की थी। ऑपरेशन के दौरान 7.51 करोड़ रुपये कीमत की 751 ग्राम संदिग्ध कोकीन पकड़ी, जिसे एक यात्री ने छिपाकर खाया था। मुंबई सीमा शुल्क टीम ने यात्री के बैग में छिपाकर रखे गए 1,010 ग्राम सोने की धूल भी जब्त की थी, जिसकी अनुमानित कीमत 75.47 लाख रुपये है। कस्टम टीम ने एक छिपे हुए डिब्बे में 22.40 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की। इसी तरह 1 फरवरी को कस्टम टीम ने मुंबई एयरपोर्ट पर 1.649 किलोग्राम कोकीन बरामद की, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य करीब 16.49 करोड़ रुपये है।

कांग्रेस में शामिल होंगे संजय राउत !

- मंत्री नितेश राणे ने किया बड़ा खुलासा
- शिवसेना UBT सांसद ने साधी चुप्पी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत अब तक अपने शब्दों से अपनी पार्टी की ओर से सत्तारूढ़ दल से मुकाबला करते रहे और अपनी पार्टी को बचाने की कोशिश करते रहे लेकिन अब वह खुद पार्टी छोड़ने की सोच रहे हैं। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना (उभयचर) नेता संजय राउत कांग्रेस में शामिल होने के लिए दिल्ली में एक नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नितेश राणे ने कहा कि संजय राउत का राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास उन्हें एक और कार्यकाल जीतने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं हैं।

शिवसेना यूबीटी में राउत कब तक टिके रहेंगे

महाराष्ट्र में पिछले साल नवंबर में हुए चुनावों में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने 288 सदस्यीय विधानसभा में 20 सीटें जीती थीं। नितेश राणे ने संवाददाताओं से कहा, 'राउत को 'सामना' (उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का मुखपत्र) में लिखना चाहिए कि वह कब तक शिवसेना (उभयचर) में रहेंगे। उन्हें उस नेता के बारे में लिखना चाहिए, जिसके साथ वह दिल्ली में कांग्रेस में शामिल होने के लिए बात कर रहे हैं। उन्हें इस मुद्दे पर भी बयान देना चाहिए।'

संजय राउत का दावा

नितेश राणे के इस बयान के बाद, बार-बार प्रयास करने के बावजूद संजय राउत से टिप्पणी के लिए संपर्क नहीं किया जा सका।

नितेश राणे की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब संजय राउत ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के बीच मतभेद राज्य में शासन को प्रभावित कर रहे हैं। संजय राउत ने दावा किया कि शिंदे अभी तक इस बात को स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि नवंबर 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें फिर से मुख्यमंत्री का पद नहीं दिया गया और वे इस पद को फिर से हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और फडणवीस इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस सहयोगी हैं।

बेकाबू कार ने 5 लोगों को कुचला, चालक गिरफ्तार

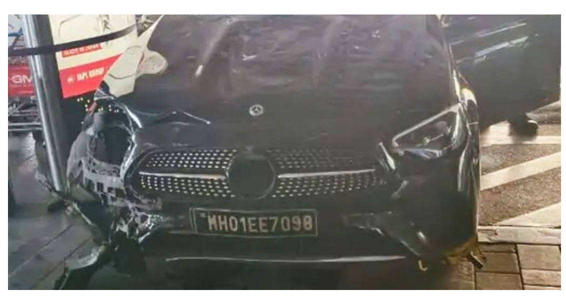

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट के पार्किंग में रविवार को एक कार अचानक बेकाबू हो गई, जिससे पांच लोग घायल हो गए। इनमें दो विदेशी नागरिक और तीन एयरपोर्ट कर्मी हैं। सहार पुलिस ने चालक को गिरफ्तार करके कार जब्त कर ली है।

पुलिस के अनुसार रविवार को दोपहर में नवी मुंबई के होटल से एक मर्सिडीज कार मुंबई एयरपोर्ट पर यात्री को छोड़ने आई थी। एयरपोर्ट के पार्किंग में स्पीडब्रेकर से टकराने के बाद चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। इस घटना में 5 लोग घायल हो गए। घायलों में कजाकिस्तान गणराज्य के दो लोग और एयरपोर्ट के चालक दल के तीन सदस्य हैं। दोनों विदेशी नागरिकों का नानावटी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि घायल एयरपोर्ट चालक दल के तीनों सदस्यों को कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शरद पवार की स्क्रिप्ट पढ़ते है संजय राउत: नरेश म्हस्के

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने बजट पर बयान दिया है। संजय राउत ने निर्मला सीतारमण के पेश किए गए बजट को चुनावी पैकेज बताया था। संजय राउत ने मीडियाकर्मियों से कहा, 'बिहार में चुनाव होने वाले हैं – मोदी सरकार का हर बजट चुनावी पैकेज होता है। इस बार बिहार में चुनाव है और इसलिए उन्होंने बिहार को सबसे अधिक राशि आवंटित की है।'

संजय राउत के इस बयान पर नरेश म्हस्के ने पलटवार किया है। नरेश म्हस्के ने विपक्ष के विरोध को देखते हुए कहा है कि इसका मतलब है कि बजट अच्छा आया है। मध्यमवर्गीय लोगों के लिए सर्वसाधारण लोगों के लिए ये बजट है। भारत आर्थिक महाशक्ति बनने जा रहा है। इस पर विपक्ष तो सवाल उठाएगा ही। हम केवल चुनाव पर ही काम नहीं करते।

शरद पवार की लिखी स्क्रिप्ट

संजय राउत की बजट पर समझ के बारे में नरेश म्हस्के ने कहा, संजय राउत को बजट के बारे में क्या समझता है उनके नेता ने खुद बयान दिया था कि उन्हें बजट नहीं समझता और इसे जानने की इच्छा भी नहीं है। संजय राउत एक सांसद जो कभी किसी चुनाव में चुनकर नहीं आए है। संजय राउत को जो स्क्रिप्ट शरद पवार लिख कर देते है, वो दिन भर वो बोलते रहते है।

शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के कहते हैं, 'यह बजट इस बात का द्योतक है कि भारत आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। यह बजट आम जनता के लिए है। अगर विपक्ष को लगता है कि यह बजट चुनावों को प्रभावित करने के लिए लाया गया है, तो वे इस बात से सहमत हैं कि यह एक अच्छा बजट है। संजय राउत को बजट की क्या समझ है? वह सिर्फ़ शरद पवार द्वारा उनके लिए तैयार की गई स्क्रिप्ट को जोर-जोर से पढ़ते हैं।

दलितों पर किए अत्याचार

कांग्रेस ने भी बजट का विरोध कर आलोचना कि है। इस पर नरेश म्हस्के ने कहा, 'शायद राहुल गांधी को यह नहीं दिखा कि एससी/एसटी महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सीमा बढ़ा दी गई है, क्योंकि उन्होंने सिर्फ़ वोट पाने के लिए दलित समुदाय का इस्तेमाल किया है।'

वेल्डिंग की चिंगारी से तेल कंपनी के टैंक में विस्फोट, एक की मौत दो घायल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

धुले जिले में धुले सिटी इंडस्ट्रियल एस्टेट (एमआईडीसी) में स्थित संजय सोयाबीन ऑयल कंपनी में बीती रात वेल्डिंग की चिंगारी से आग लगने के बाद विस्फोट हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। घायलों को हीरे मेडिकल कालेज अस्पताल में चल रहा है। इस घटना की छानबीन मोहाडी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मोहाडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत पाटिल ने रविवार को मीडिया को बताया कि शनिवार की रात औद्योगिक क्षेत्र स्थित संजय सोया फैक्टरी में तेल टैंक पर वेल्डिंग का काम चल रहा था। उसी समय वेल्डिंग की चिंगारी से टैंक में गैस विस्फोट हो गया और आग लग गई।

इस घटना में टैंक पर काम कर रहे मजदूर उपेन्द्र राजभर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संदीप राजभर और धनंजय राजभर घायल हुए। इनमें से संदीप की हालत अस्पताल में चिंताजनक है, जबकि धनंजय की तबीयत में सुधार हो रहा है। इस घटना की छानबीन की जा रही है।

इस घटना की जानकारी मिलने पर जिले के संरक्षक मंत्री जयकुमार रावल ने घटनास्थल का दौरा किया और अस्पताल में घायल मरीजों से भी मिले। संरक्षक मंत्री जयकुमार रावल ने बताया कि इस घटना में घायलों को बेहतर इलाज के लिए नासिक भेजा जाएगा।

मराठा आरक्षण के लिए एक शिक्षित युवती ने आत्महत्या की

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जालना के बदनापुर तहसील में स्थित खडग़ांव में रविवार को मराठा आरक्षण के लिए एक शिक्षित युवती ने अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बदनापुर पुलिस स्टेशन की टीम ने युवती का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आत्महत्या करने वाली युवती रानी साहेबराव नाइकवाडे (25) को प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के बावजूद मराठा आरक्षण न होने के कारण नौकरी नहीं मिली थी, जिससे वह निराश थी। उसने खडग़ांव के गणेश नगर स्थित अपने घर में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इससे पहले भी मराठा समाज के कई युवक आरक्षण न मिलने पर आत्महत्या कर चुके हैं।

जन्म प्रमाणपत्र बनाने के लिए जमा किए फर्जी दस्तावेज, 2 लोगों को किया गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में जब से अवैध बांग्लादेशियों के बारे में खबरें सामने आई है तब से दस्तावेजों की भी कड़ी निगरानी की जा रही है। ताकि किसी तरह की गैरकानूनी हरकत को अंजाम न दिया जा सकें। इस बीच नासिक जिले के मालेगांव में जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज जमा करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अपराध के सिलसिले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों में से दो को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (मालेगांव) एस जे डोलारे की अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने अपराध को 'गंभीर प्रकृति' का बताते हुए उन्हें चार फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

फर्जी दस्तावेज जमा कराए

पुलिस के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया द्वारा तहसीलदार को दी गई शिकायत के आधार पर आरोपी सैय्यद साजिद सैय्यद वहाब, शबाना बानो शेख हनीफ और नजमा बानो अब्दुल शकूर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि दिसंबर 2024 में तीनों ने जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए तहसीलदार कार्यालय में फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड, विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज जमा कराए।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी और अन्य संबंधित आरोपों के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सोमैया ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि तीनों आरोपी बांग्लादेशी हैं। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने अदालत में कहा कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जानी चाहिए ताकि पता लगाया जा सके कि क्या कथित अपराध में किसी और ने उनकी मदद की थी।

पक्ष ने रखी अपनी दलील

हालांकि, बचाव पक्ष ने कहा कि कथित अपराध चार दिसंबर से 13 दिसंबर 2024 के बीच हुआ था, लेकिन प्राथमिकी जनवरी 2025 में दर्ज की गई थी। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि चूंकि दोनों आरोपियों द्वारा प्रस्तुत सभी दस्तावेज तहसीलदार के पास हैं, इसलिए उनकी हिरासत की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि वहाब कॉलेज का छात्र है और उसके सभी दस्तावेज कॉलेज के पास उपलब्ध हैं, जबकि नजमा का नाम शादी के बाद बदल दिया गया था और तहसीलदार ने जांच के बाद उनके जन्म प्रमाण पत्र जारी किए थे।

किरीट सोमैया ने लगाया था आरोप

हालांकि, अदालत ने कहा कि 'रिकॉर्ड के अवलोकन से पता चलता है कि अपराध गंभीर प्रकृति का है।' अदालत ने कहा कि यह आरोप लगाया गया है कि राजस्व अधिकारी के समक्ष जाली दस्तावेज पेश करके कई प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं, और इन दस्तावेजों के स्रोत की खोज करना आवश्यक है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने हाल में आरोप लगाया था कि मालेगांव शहर में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों को जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। उन्होंने विभागीय राजस्व आयुक्त और पुलिस उपाधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर दावा किया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 3,977 जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए। महाराष्ट्र सरकार ने पिछले महीने मालेगांव तहसील में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने में कथित अनियमितताओं के लिए दो राजस्व अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में दो यात्रियों पर जानलेवा हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

नंदुरबार रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर में ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट को लेकर हुए विवाद में एक यात्री ने पहले से बैठे दो यात्रियों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। दोनों घायल यात्रियों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रेलवे पुलिस हमलावर यात्री को गिरफ्तार कर लिया है।

रेलवे पुलिस के अनुसार चेन्नई से जोधपुर जा रही ताप्ती गंगा एक्सप्रेस रविवार को जब भुसावल स्टेशन से आगे के लिए रवाना हुई तो एक यात्री का ट्रेन में पहले से बैठे दो यात्रियों के साथ सीट को लेकर विवाद हो गया। नाराज यात्री ने नंदुरबार रेलवे स्टेशन पर उतरने से पहले ही अपने कुछ साथियों और दोस्तों को बुला लिया था। जैसे ही ट्रेन नंदुरबार रेलवे स्टेशन पर रुकी तो विवाद करने वाले यात्री ने पहले से सफर कर रहे दोनों यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक यात्री की जांघ पर तथा दूसरे यात्री की बांह गहरा जख्म हो गया। अचानक हुई इस घटना से कोच में बैठे अन्य यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे पुलिस ने हमलावर यात्री को गिरफ्तार कर लिया और दोनों घायलों को जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया है। इसके बाद ताप्ती गंगा एक्सप्रेस जोधपुर के लिए रवाना कर दी गई।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

कनाडाई आयोग की रिपोर्ट भारतीय पक्ष में

अपनी सरकार बचाने के लिये भारत विरोध की हद पार करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को करारी शिकस्त मिली है। जिन लोगों को खुश करने के लिये ट्रूडो भारत के खिलाफ बेतुके आरोप गढ़ रहे थे, उन्होंने भी उनका साथ नहीं दिया। उस दल की समर्थन वापसी के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है और नये प्रधानमंत्री के चुने जाने तक कार्यवाहक दायित्व निभा रहे हैं। बहरहाल, उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को भी इतिहास के सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया था। निज्जर हत्या मामले में विदेशी हाथ के नाम पर भारत पर गंभीर आरोप लगाने के बाद इस बाबत एक जांच आयोग बैठा था। बीते मंगलवार कनाडाई जांच आयोग ने भारत के खिलाफ रचे गए आरोपों को खारिज कर दिया। दरअसल, ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में विदेशी हाथ होने के आरोप लगाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी। लेकिन कनाडाई आयोग ने सारी शंकाओं को दूर कर दिया है। आयोग ने अपनी रपट में साफ किया कि जून 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप निज्जर की हत्या में विदेशी भूमिका के बाबत कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जाहिर है, तथ्यों को तोड़मरोड़ कर ट्रूडो ने जिस तरह भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश रची थी, उस पर पानी फिर गया है। इस तरह ट्रूडो ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये समर्थन देने वाले जिस दल को खुश करना चाहा था, उसने भी समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर भारत के साथ संबंधों को भी उन्होंने सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया। ट्रूडो को लेकर एक बार फिर वही कहावत चरितार्थ हुई है कि 'न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए'। बहरहाल, इस रिपोर्ट के आने बाद आस जगी है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि ट्रूडो ने न केवल देश के सार्वजनिक मंचों बल्कि अपने देश की संसद में भी आरोप लगाया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका रही है। निश्चित रूप से कनाडा की संसद में दिया गया ट्रूडो का यह बयान अपरिपक्व व गैरजिम्मेदार था। आखिर कैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं का ध्यान रखे बिना किसी देश को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? कैसे ट्रूडो ने बिना जांच-पड़ताल के ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को दोषी घोषित करने के नापाक मंसूबे पाल लिए? भारत ने कई बार ट्रूडो सरकार से सबूत मांगे, जो भारत को कभी उपलब्ध ही नहीं कराए गए। इस तरह भारत के पक्ष पर मोहर लगाकर कनाडाई जांच आयोग ने साबित कर दिया है कि ट्रूडो का भारत विरोध दुराग्रहों से ही प्रेरित था। यही वजह थी कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को अपने देशों से निकाला और इससे नागरिकों का मुक्त आवागमन बाधित हुआ है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कनाडा में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। कालांतर देश के मिजाज को समझते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नये नेता का चुनाव होने तक ही उन्हें इस पद पर रहने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल कनाडा में आम चुनाव होने वाले हैं। बहरहाल, इस मामले में ट्रूडो के आरोप खारिज होने के बाद भारत के खिलाफ मुहिम चलाने वालों का भी मनोबल जरूर गिरेगा। ऐसे में भारत उन देशों पर आने वाले समय में दबाव बना सकेगा, जो अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों को शह देते हैं। खासकर अमेरिका व ब्रिटेन की सरकारों को इस पहलू पर गंभीरता से विचार करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस साल होने वाले आम चुनावों के बाद कनाडा में जो नई सरकार आएगी, उसके साथ भारत के बेहतर संबंध स्थापित हो पाएंगे। निश्चय ही नयी सरकार अतीत की गलतियों से सबक लेकर रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में गंभीर पहल करेगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि ट्रूडो के शासनकाल में सबसे निचले स्तर तक पहुंचे भारत-कनाडाई रिश्तों में नई सरकार आने के बाद उम्मीदों के अनुरूप गर्मजोशी लौटेगी।

पूर्ण विद्युतीकरण की राह पर भारतीय रेल

डॉ जयदीप गुप्ता
(अपर सदस्य, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन,रेलवे बोर्ड)

पहिए के अविष्कार के साथ ही दुनिया कई गुना तेजी से आगे बढ़ने लगी। इस रफ्तार को नई दिशा सितंबर 1825 में तब मिली, जब दुनिया की पहली ट्रेन ने अपनी यात्रा शुरू की। इसी क्रम में 28 साल बाद 16 अप्रैल, 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद 3 फरवरी 1925 ने भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) से कुर्ला, मुंबई तक अपनी यात्रा बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान रच दिया। अब साल 2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के 100 साल पूरे के होने के साथ, भारत अपने ब्रॉड गेज नेटवर्क के 100% विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही ऐतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है।

विद्युतीकरण की ओर: एक सदी का सफर

दुनिया में पहली बार रेल संचालन के केवल 28 वर्षों के भीतर भारत में भी रेलगाड़ियां दौड़ने लगीं। हालांकि, बिजली से चलने वाले इंजनों को अपनाने में भारत को अधिक समय लगा। वर्ष 1879 में जर्मनी में पहली बार इलेक्ट्रिक यात्री ट्रेन चली, लेकिन भारत में यह तकनीक पहुंचने में 46 वर्षों का समय लगा। दुनिया की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन 1879 में चलाई गई, जबकि भारत ने 1925 में पहली बार इस सुविधा की शुरुआत की। बिजली से चलने वाले इंजनों ने बहुत कम समय में अपनी उपयोगिता साबित करने में सफलता हासिल कर ली। ये इंजन अधिक ताकतवर, तेज और कुशल थे। कम रखरखाव के साथ ये प्रदूषण रहित थे एवं भारी-भरकम ट्रेनों को तीव्र ढलानों पर आसानी से खींच सकते थे। आरंभिक दिनों में विद्युतीकरण की लागत अधिक थी, लेकिन शहरी यातायात और मुंबई जैसे महानगरों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हुई।

मुंबई में विद्युतीकरण: पहला कदम

20वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में मुंबई की तेजी से बढ़ती जनसंख्या के लिए यातायात के लिए एक प्रभावी और कुशल समाधान खोजना आवश्यक हो गया था। भाप इंजन पुणे और नासिक की ओर जाने वाले तीव्र ढलानों को संभालने में असमर्थ थे। इससे विद्युतीकरण की आवश्यकता और बढ़ गई।

1904 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी सरकार के मुख्य अभियंता डब्ल्यू.एच. व्हाइट ने मुंबई में दो प्रमुख रेल नेटवर्क- ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे (GIP) और बॉम्बे बड़ौदा एंड सेंट्रल इंडिया रेलवे (BB&CI) को विद्युतीकृत करने का प्रस्ताव रखा। हालांकि प्रथम विश्व युद्ध की वजह से इस परियोजना को अस्थायी रूप से रोक दिया गया, लेकिन 1920 तक बॉम्बे-पुणे, इगतपुरी और वसई लाइनों के विद्युतीकरण की योजनाओं को मंजूरी मिल गई।

3 फरवरी 1925 को भारत की पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन ने 1500 वोल्ट डायरेक्ट करंट (DC) पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और कुर्ला के बीच 16 किलोमीटर की दूरी तय की। यह भारतीय रेल के स्वच्छ और आधुनिक परिवहन की शुरुआत का प्रतीक बनी। इस कदम के साथ, भारत दुनिया का 24वां और एशिया का तीसरा देश बन गया जिसने इलेक्ट्रिक रेल सेवाएं संचालित कीं।

दक्षिण भारत में विद्युतीकरण

मुंबई के साथ-साथ दक्षिण भारत ने भी विद्युतीकरण की दिशा में कदम बढ़ाए। साउथ इंडियन रेलवे (SIR),

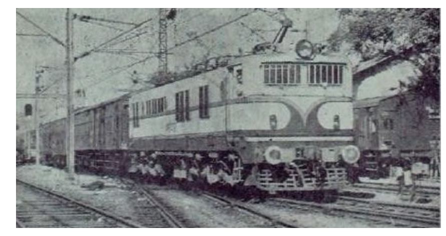

जो दक्षिण भारत में प्रमुख रेलवे नेटवर्क, उसने अपने उपनगरीय नेटवर्क को 1500 वोल्ट DC सिस्टम पर विद्युतीकृत किया। मद्रास बीच (अब चेन्नई) से ताम्बरम तक की लाइन को 1931 तक पूरा कर लिया गया। यह खंड भारत के कुछ मीटर गेज विद्युतीकृत मार्गों में से एक है। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के समय तक, देश में मात्र 388 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था, जो मुख्य रूप से मुंबई और मद्रास के आस-पास केंद्रित था।

पूर्वी भारत में विद्युतीकरण की शुरुआत

जहां मुंबई ने विद्युतीकरण में अग्रणी भूमिका निभाई, वहीं पूर्वी भारत में यह प्रक्रिया देरी से शुरू हुई। इसका मुख्य कारण विश्व युद्धों और 1930 के दशक की महामंदी जैसी घटनाएँ थीं। 1950 के दशक में कोलकाता (तब कलकत्ता) में विद्युतीकरण की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। 1954 में, भारतीय रेल ने यूरोपीय विद्युतीकरण मॉडल का अध्ययन किया और, इस क्षेत्र के लिए 3000 वोल्ट DC सिस्टम को चुना। दिसंबर 1957 में हावड़ा और शियोराफुली के बीच पूर्वी भारत के पहले विद्युतीकृत ट्रैक का उद्घाटन हुआ। नवंबर 1957 में भारतीय रेल ने 25 kV AC प्रणाली को विद्युतीकरण के लिए मानक के रूप में अपनाया। इसी समय फ्रांस की SNCF ने 25,000 वोल्ट AC सिस्टम विकसित की, जिसे शुरू में संदेह की दृष्टि से देखा गया। 1959 में राजखरसावन-डांगोपोसी खंड पर इस सिस्टम का सफल परीक्षण हुआ। नवंबर 1957 में भारतीय रेल ने 25 kV AC प्रणाली को विद्युतीकरण के लिए मानक के रूप में अपनाया, जिससे भारत ऐसा करने वाला सोवियत संघ के बाद दूसरा देश बना।

स्वच्छ परिवहन की ओर एक सशक्त कदम

रेल विद्युतीकरण का राष्ट्र पर गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। यह परिवहन को स्वच्छ और हरित माध्यम प्रदान करता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। बेहतर ढुलाई क्षमता और लाइन हॉल लागत में सुधार के साथ, यह रेल नेटवर्क को और अधिक कुशल एवं किफ़ायती बनाता है। इसके अलावा, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाकर यह सतत विकास में योगदान देता है। कच्चे तेल पर निर्भरता घटने से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी सुनिश्चित होती है, जिससे राष्ट्र की आर्थिक मजबूती सुनिश्चित होती है।

पूरे भारत में विद्युतीकरण: एक नया युग

1966 तक, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी रेलवे जोन में माल परिवहन का आधे से अधिक हिस्सा इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन द्वारा संचालित होने लगा। हावड़ा, सियालदह और खड़गपुर डिवीजनों में उपनगरीय नेटवर्क तेजी से विद्युतीकृत हुआ। इलेक्ट्रिक ट्रेनों के लाभ, जैसे कि डीजल पर निर्भरता में कमी, अधिक दक्षता और पर्यावरण संरक्षण, ने विद्युतीकरण प्रक्रिया को और तेज किया। आने वाले दशकों में भारतीय रेल के विद्युतीकरण ने अभूतपूर्व गति पकड़ी।

वर्ष 2014-15 के बीच हर दिन करीब 1.42 किलोमीटर विद्युतीकरण किया जाता था। इस अवधि में भारतीय रेल ने ब्रॉड गेज नेटवर्क पर लगभग 45,200 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा किया। वहीं 2023-24 के दौरान प्रतिदिन करीब 19.7 किलोमीटर विद्युतीकरण का रिकॉर्ड बना। 2014 तक देश में जहां 21801 RKM रहा वहीं 2014-24 के बीच विद्युतीकरण में अभूतपूर्व प्रगति हुई और महज एक दशक में 44199 RKM किया गया। 2025 में, जब भारत रेल विद्युतीकरण के 100 वर्षों का जश्न मनाएगा, यह उपलब्धि उस दूरदृष्टि और तकनीकी प्रगति की गवाही देगी जिसने भारतीय रेल को दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक नेटवर्क में से एक बना दिया।

जीवन मंत्र

आचार्य चाणक्य

दोपहर में सोने से कम होते हैं धन और आयु

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो लोग दोपहर में सोते हैं व औरों से कम करते हैं। ऐसे में उनके कार्य की हानि होती और समय की बर्बादी के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता। ऐसे लोगों को कई बार धन की हानि भी झेलनी पड़ सकती है।

आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में सेहत से जुड़ी कई बातों का जिक्र किया है। उन्होंने दिन में सोने के नुकसानों के बारे में भी बताया है।आचार्य चाणक्य भारत के इतिहास में अब तक हुए सबसे बड़े विद्वानों में से एक हैं। उन्होंने जीवन के हर एक पहलू पर अपने विचार दिए और चीजों को इतनी सरलता और स्पष्टता के साथ बताया कि आज भी उनकी बातें उतना ही महत्व रखती हैं, जितना उस समय में रखती थीं। आचार्य ने सेहत से जुड़ी कई बातों का जिक्र भी अपनी नीतियों में किया। अपने एक श्लोक में उन्होंने दिन में सोने के नुकसान पर भी बात की है। हममें से अक्सर कई लोग दोपहर की हल्की झपकी लेना पसंद करते हैं लेकिन ये आदत आचार्य चाणक्य के अनुसार बिल्कुल भी अच्छी नहीं। उन्होंने इसके कई बड़े नुकसानों का जिक्र अपनी नीति में किया है। आज हम आपको आचार्य चाणक्य के अनुसार ही दिन में सोने के नुकसान बताने वाले हैं।

आचार्य चाणक्य के अनुसार जो लोग दोपहर में सोते हैं व औरों

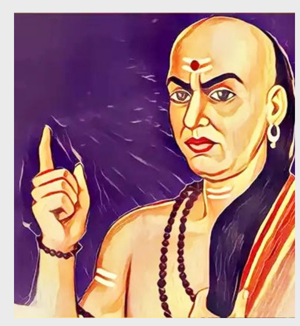

से कम करते हैं। ऐसे में उनके कार्य की हानि होती और समय की बर्बादी के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता। ऐसे लोगों को कई बार धन की हानि भी झेलनी पड़ सकती है।

आचार्य के मुताबिक यदि आप बीमार हैं या कोई गर्भवती स्त्री या छोटा बच्चा है तो केवल उसे ही दिन में सोने का अधिकार है। यदि आप स्वस्थ्य हैं तो जीवन व हर एक क्षण का उपयोग करें, उसे यूं ही सो कर व्यर्थ जाया ना करें।

आचार्य चाणक्य के मुताबिक दोपहर में सोने से सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। जो लोग दोपहर के समय सोते हैं उन्हें अपच, गैस एसिडिटी जैसी पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टर भी दोपहर के समय की नींद को हेल्थ के लिए सही नहीं मानते हैं। डॉक्टर के मुताबिक दोपहर के समय 10 से 15 मिनट के लिए पावर नैप लेना तो ठीक है लेकिन जो लोग 2 से 3 घंटे की नींद लेते हैं, वो उनकी हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दोपहर की नींद से ना सिर्फ पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं बल्कि इससे रात के समय की नींद भी प्रभावित होती है। महान कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य का मानना है कि दोपहर में सोने से मनुष्य की आयु भी कम होती है। इस बात को चाणक्य ने एक श्लोक के माध्यम से बताया है, आयुःक्षयी दिवा निद्रा'।

जीवन ऊर्जा

रघुराम गोविंद राजन : जन्म- 3 फरवरी 1963 | जन्म

रघुराम राजन का जन्म भारत के भोपाल शहर में 3 फ़रवरी 1963 को हुआ था। 4 सितम्बर 2013 को डी सुब्बाराव की सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने यह पद ग्रहण किया। इससे पूर्व वह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के प्रमुख आर्थिक सलाहकार व शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में एरिक जे ग्लीचर फाईनेंस के गणमान्य सर्विस प्रोफेसर थे। 2003 से 2006 तक वे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रमुख अर्थशास्त्री व अनुसंधान निदेशक रहे और भारत में वित्तीय सुधार के लिये योजना आयोग द्वारा नियुक्त समिति का नेतृत्व भी किया।

पूर्व छात्रों में दान की परंपरा विकसित करने की जरूरत

मुझे नहीं पता आप मुझे क्या कहेंगे। सांता क्लाज? मैं नहीं जानता। मैं इन चीजों से प्रभावित नहीं होता। मेरा नाम रघुराम राजन है और मेरा जो काम है, मैं वही करता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि टिकाऊपन और विकास दोनों शब्द साथ-साथ चलते हैं। दोनों जरूरी हैं। इसलिए मेरे पास जो गुंजाइश थी, मैंने वह कर दिया। मैं यह स्वीकार नहीं करता कि हम आक्रामकता अपना रहे हैं।

देशों के बीच तो असमानता कम हो रही है, लेकिन देश के अन्दर बढ़ रही है। इस असमानता को दूर करने के लिए शिक्षा को सर्व सुलभ बनाना होगा। कामगारों का उपयोग कई ऐसे उत्पादक क्षेत्रों में किया जा सकता है, जहां उत्पादकता काफी बढ़ी है, जैसे फैक्ट्री का काम, बैंकिंग आदि। लेकिन कुछ सेक्टर की तकनीक में कोई सुधार नहीं आया है, ऐसे सेक्टरों में उत्पाद के दाम जल्दी बढ़ते हैं। डोसे के साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। इसी वजह से वह महंगा हो रहा है। राजकोषीय मजबूती के रास्ते से थोड़ा भी हटने से अर्थव्यवस्था की स्थिरता को नुकसान होगा। वैश्विक

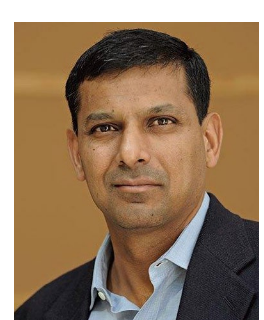

स्तर पर आर्थिक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिरता देने वाले कारकों को लेकर कोई जोखिम नहीं लिया जा सकता है और सरकार व आरबीआई को महंगाई कम करने का प्रयास जारी रखना चाहिए। छात्रों को इसे सुलभ बनाने के लिए डिग्री का खर्च छात्रों के वहन करने लायक बनाना होगा।

इस समस्या के दो समाधान हैं पहला बैंकों से शिक्षा लोन और दूसरा परोपकार द्वारा की जा सकती है। पूर्व छात्रों में दान की परंपरा विकसित करने की जरूरत है। भारत में बुनियादी सुधारों की रफ्तार को तेज करना राजनीतिक दृष्टि से मुश्किल काम है, लेकिन बैंकों के बहीखाते साफ-सुथरा करने और मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने से तेज वृद्धि हासिल की जा सकती है।

शख्सियत | सुहासिनी गांगुली

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी

सुहासिनी गांगुली एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थीं। भारत की आजादी उनके जीवन का सबसे बड़ा सपना था, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके बलिदानपूर्ण जीवन और साहसिक कार्य का सम्मान करने के लिए कोलकाता की एक सड़क का नाम 'सुहासिनी गांगुली सारनी' रखा गया है। रचना भोला यामिनी ने अपनी पुस्तक 'स्वतंत्रता संग्राम की क्रांतिकारी महिलाएं' में उनके जीवन चरित्र का वर्णन किया है।

गांगुली का जन्म 3 फरवरी 1909 को खुलना, बंगाल, ब्रिटिश भारत में अविनाशचंद्र गांगुली और सरला सुंदरा देवी के घर हुआ था। उनका परिवार बिक्रमपुर, ढाका, बंगाल से था। उन्होंने 1924 में ढाका ईडन स्कूल से मैट्रिक पास किया। इंटरमीडिएट ऑफ आट्‌र्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें एक मूक-बधिर स्कूल में शिक्षिका की नौकरी मिल गई और वे कोलकाता चली गईं। वह बीना दास से जुड़ी थीं, जिन्होंने 1932 में बंगाल के गवर्नर स्टेनली जैक्सन की हत्या का प्रयास किया था। बंगाल आपराधिक कानून संशोधन (बीसीएलए) अधिनियम के तहत, गांगुली को 1932 से 1938 तक हिजली डिटेंशन कैंप में बंदी बनाकर रखा गया था। और अपनी रिहाई के बाद उन्होंने भारत के कम्युनिस्ट आंदोलन में भाग लिया। वह भारत के कम्युनिस्ट हिस्से के महिला मोर्चे से जुड़ी थीं। हालांकि उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग नहीं लिया, क्योंकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने भाग नहीं लिया था, लेकिन उन्होंने अपने कांग्रेस सहयोगियों की मदद की। 1942 और 1945 के बीच उन्हें फिर से जेल में बंद कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन के कार्यकर्ता हेमन्त तरफदार को आश्रय दिया था। साम्यवाद के प्रति लगाव के कारण गांगुली को 1948 और 1949 में पश्चिम बंगाल सुरक्षा अधिनियम 1948 के तहत कई महीनों तक जेल में रखा गया था। गांगुली जीवन भर सामाजिक संघर्ष में शामिल रहे। 1965 में एक सड़क दुर्घटना के कारण उन्हें कोलकाता के पी. जी. अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन लापरवाही के कारण वह टेटनस से संक्रमित हो गईं और 23 मार्च 1965 को उनकी मृत्यु हो गई।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

14 प्रकार के व्यक्ति जो मरे हुए के समान हैं

(भाग 1)

गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस ज्ञान के सागर के समान है। इसमें ज्ञान की ऐसी गूढ़ बातें लिखी है जो हर किसी को पता होनी चाहिए। मानस में ही तुलसीदास जी ने उन १४ प्रकार के व्यक्तियों के बारे में बताया है जो जीवित होते हुए भी मरे हुए के समान हैं। रामचरितमानस के लंका कांड में ३०वें दोहे में रावण और अंगद के बीच एक बहुत सुन्दर संवाद है। उस संवाद में जब रावण अंगद को अपनी शक्ति के बारे में बताता है तब अंगद उसे धिक्कारते हुए कहते हैं कि वो तो पहले ही मरे हुए के समान है। तब अंगद उसे उन १४ प्रकार के व्यक्तियों के बारे में बताते हैं जो मृत ही माने गए हैं। अंगद कहते हैं -

जौं अस करौं तदपि न बड़ाई।
मुएहि बधें नहिं कछु मनुसाई॥
कौल कामबस कृपिन बिमूढ़ा।
अति दरिद्र अजसी अति बूढ़ा॥

अर्थात यदि ऐसा करूँ तो भी इसमें कोई बड़ाई नहीं है। मरे हुए को मारने में कुछ भी पुरुषत्व नहीं है। वाममार्गी, कामी, कंजूस, अत्यंत मूढ़, अति दरिद्र, बदनाम, बहुत बूढ़ा।

सदा रोगबस संतत क्रोधी।
बिष्नु बिमुख श्रुति संत बिरोधी॥
तनु पोषक निंदक अघ खानी
जीवत सव सम चौदह प्रानी॥

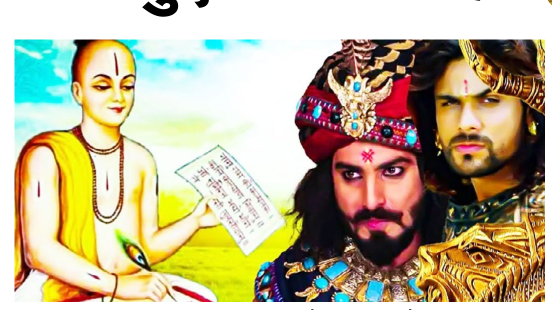

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अर्थात नित्य का रोगी, निरंतर क्रोधयुक्त रहने वाला, भगवान् विष्णु से विमुख, वेद और संतों का विरोधी, अपना ही शरीर पोषण करने वाला, पराई निंदा करने वाला और पाप की खान - ये चौदह प्राणी जीते ही मुरदे के समान हैं।

इस प्रकार वे १४ प्रकार के प्राणी हैं -

वाम मार्गी: ऐसा व्यक्ति जो सारी दुनिया से उल्टा चले और जो हर चीज में कमी निकलता हो। जो परम्पराओं और समाज के नियम को ना मानता हो और केवल अपनी ही करता हो।

कामी: ऐसा व्यक्ति जो सदा काम वासना के आधीन रहता हो। जैसे रावण ने काम के वश होकर माता सीता का हरण कर लिया।

कंजूस: कृपण व्यक्ति जो केवल धन संचय में लगा रहता हो। जो व्यक्ति लोक कल्याण के लिए दान देने से बचे और सारा धन केवल स्वयं के लिए ही सहेज कर रखे।

अत्यंत मूढ़: ऐसा व्यक्ति जो मुर्ख हो और सही और गलत के बीच में अंतर ना कर सके। जिसके पास अपना विवेक ना हो और जो बिना सोचे समझे ना करने योग्य कार्य भी करे। जैसे रावण ने हित अहित का विचार किये बिना ही माता सीता का हरण कर लिया।

अत्यंत दरिद्र: दरिद्रता को भी शास्त्रों में श्राप माना गया है। ऐसा व्यक्ति जो अत्यंत दरिद्र हो वो भी मृत ही है। इसका वास्तविक अर्थ ये है कि जो दरिद्र हो उसे दुत्कारना नहीं चाहिए, क्यूंकि वो पहले से ही कठिन जीवन जी रहा है। यथा संभव उसकी सहायता करनी चाहिए।

कलंकित: ऐसा व्यक्ति जो अपने कार्यों के कारण बदनाम हो। जो घर, समाज और राष्ट्र में कुख्यात हो वो भी मरे हुए के समान ही है, क्यूंकि कोई भी उसका सम्मान नहीं करता।

(क्रमशः)

अपने विचार

कॉमनवेल्थ घोटाले के दाग इतने गहरे हैं कि कांग्रेस कभी उससे मुक्त नहीं हो सकती। AAP पार्टी ने दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के नाम पर जो खेल किया है, वो दिल्ली की जनता, दिल्ली का नौजवान भली भांति जानता है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

8 तारीख को **AAP** की झूठ की दुकान पर ताला लग जाएगा। 8 तारीख को दिल्ली में भाजपा की सरकार बन रही है। वहां जो झूठ की दुकान खुली थी, उसे लोग अब समझ चुके हैं।

-नायब सिंह सैनी ,मुख्यमंत्री,हरियाणा

दिल्ली में 'थ्री जी' की सरकार चल रही है. पहले 'जी' से है घोटाले वाली सरकार, दूसरे 'जी' से है घुसपैठियों को पनाह देने वाली सरकार और तीसरे 'जी' से है घपले करने वाली सरकार।

-अमित शाह, गृहमंत्री

'मोदी सरकार का हर बजट , चुनावी पैकेज होता है। इस बार बिहार में चुनाव है। इसलिए बजट में बिहार को सबसे ज्यादा राशि आवंटित की गई है।' बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

-संजय राउत, नेता, शिवसेना(यूबीटी)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

महाकुंभ के आखिरी दिन

जानें महाशिवरात्रि पर बन रहा शिव योग का महत्व

महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है। प्रयागराज में महाकुंभ मेले की शुरुआत 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा से हुई थी और इसका समापन 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन होगा। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर शिव योग और श्रवण नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसी दिन महाकुंभ का अंतिम शाही स्नान भी आयोजित किया जाएगा।

महाशिवरात्रि के शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 5 :09 से 5 :59 तक

प्रात : संध्या : सुबह 5 :34 से 6 :49 तक

विजय मुहूर्त : दोपहर 2 :29 से 3 :15 तक

गोधूलि मुहूर्त : शाम 6 :17 से 6 :42 तक

सायं संध्या : शाम 6 :19 से 7 :34 तक

अमृत काल : सुबह 7 :28 से 9 :00 तक

शिव योग कब तक रहेगा?

महाशिवरात्रि के दिन शिव योग पूरे दिन बना रहेगा। द्रिक पंचांग के अनुसार, यह योग 27 फरवरी 2025 को रात 11 :41 बजे समाप्त होगा। श्रवण नक्षत्र शाम 5 :23 बजे तक रहेगा, जिसके बाद धनिष्ठा नक्षत्र शुरू होगा।

शिव योग का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शिव योग को कार्यों की सफलता के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस योग में किए गए कार्य निश्चित रूप से सफल होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

महाशिवरात्रि के दिन राहुकाल का समय

ज्योतिष शास्त्र में राहुकाल को अशुभ माना जाता है और इस दौरान शुभ कार्यों से बचना चाहिए। महाशिवरात्रि के दिन राहुकाल दोपहर 12 :34 बजे से 2 :00 बजे तक रहेगा।

कुंभ मेला कितने प्रकार के होते हैं?

कुंभ मेला चार प्रकार के होते हैं, जिनका आयोजन अलग-अलग तीर्थ स्थलों पर किया जाता है :

महाकुंभ मेला : हर 144 वर्षों में प्रयागराज में आयोजित किया जाता है, जब 12 पूर्ण कुंभ मेलों का चक्र पूरा होता है।

अर्धकुंभ मेला : हर 6 साल में प्रयागराज और हरिद्वार में आयोजित होता है।

पूर्ण कुंभ मेला : हर 12 साल में प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।

माघ मेला : यह एक वार्षिक मेला है, जो हिंदू पंचांग के माघ महीने (जनवरी-फरवरी) में प्रयागराज में आयोजित होता है।

अपनी इच्छाओं का दमन नहीं, शमन करें

जब आप इच्छा का निरीक्षण करते हैं, तो क्या आप उसे एक अजनबी के रूप में देखते हैं? या आप उसे तब देखते हैं जब वह आपके भीतर उत्पन्न होती है? यह नहीं है कि इच्छा करने वाला व्यक्ति और इच्छा अलग-अलग हैं; इच्छा करने वाला स्वयं ही इच्छा है। इच्छा हमारे जीवन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक शक्ति है। यहां हम विशिष्ट वस्तु को पाने की इच्छा के बारे में नहीं, बल्कि इच्छा के शुद्ध स्वरूप की बात कर रहे हैं। सभी धर्मों ने यह उपदेश दिया है कि ईश्वर को पाने के लिए इच्छा को नियंत्रित करना, नष्ट करना या दबाना आवश्यक है। वे सुझाव देते हैं कि इच्छा के स्थान पर विचार द्वारा निर्मित किसी आदर्श की स्थापना करें—यानी वास्तविक के स्थान पर कल्पना को स्थापित करें। इच्छा वास्तविक और प्रबल होती है, लेकिन लोग मानते हैं कि किसी अन्य चीज को उसके स्थान पर स्थापित कर उसे जीत सकते हैं। या फिर लोग महात्मा, परमात्मा, या गुरु जैसे किसी व्यक्ति की शरण लेते हैं, जो कि विचार की ही प्रक्रिया है। यही धार्मिक चिंतन की पारंपरिक संरचना रही है। इच्छा की संपूर्ण प्रक्रिया को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह स्पष्ट है कि इच्छा न तो प्रेम है और न ही करुणा। प्रेम और करुणा की अपनी एक अंतर्निहित बुद्धि होती है; यह किसी चतुर विचार की उपज नहीं होती। यह समझना आवश्यक है कि इच्छा किस प्रकार स्पष्टता को विकृत करती है और प्रेम की अद्भुत गुणवत्ता में बाधा डालती है। आवश्यकता यह है कि हम इच्छा को समझें, न कि उसका दमन करें या उसे किसी विशेष दिशा में मोड़ें। ध्यान रहे, मेरा उद्देश्य आपको प्रभावित करना, मार्गदर्शन देना या आपकी सहायता करना नहीं है। बल्कि हम सभी एक सूक्ष्म और जटिल मार्ग पर एक साथ चल रहे हैं। इच्छा की सच्चाई को जानने के लिए हमें एक-दूसरे को ध्यान से सुनना होगा। जब हम इच्छा के तात्पर्य, अर्थ, विस्तार और सच्चाई को समझ पाएंगे, तब यह हमारे जीवन में एक अलग ही महत्व रखेगी और जीवन की एक अनोखी प्रेरक शक्ति बन जाएगी। जब आप इच्छा का निरीक्षण करते हैं, तो क्या आप इसे अपने से अलग मानते हैं? या क्या आप यह महसूस करते हैं कि निरीक्षक और इच्छा एक ही हैं? मान लीजिए, आप किसी दुकान में कोई आकर्षक वस्तु देखते हैं और उसे खरीदने की इच्छा करते हैं। क्या आप इस इच्छा को अपने से अलग मानकर देख रहे हैं, या यह समझ रहे हैं कि आप ही वह इच्छा हैं? यह समझ एक प्रत्यक्ष जागरूकता की ओर ले जाती है, जहां कोई अलग निरीक्षक नहीं होता। कल्पना कीजिए कि आप एक वृक्ष को देख रहे हैं। 'वृक्ष' शब्द उस वस्तु की पहचान करने में मदद करता है, लेकिन हम जानते हैं कि शब्द 'वृक्ष' वास्तविक वृक्ष नहीं है। इसी प्रकार, 'इच्छा' केवल एक शब्द नहीं है; यह उस प्रतिक्रिया के पीछे छुपे एक असाधारण अनुभव का प्रतीक है। हमें सावधान रहना चाहिए कि हम शब्दों के जाल में न फंसे। हमारा मस्तिष्क इतना सजग होना चाहिए कि यह देख सके कि कोई वस्तु इच्छा उत्पन्न कर सकती है, फिर भी वह इच्छा उस वस्तु से भिन्न होती है। क्या आप इस बात को समझते हैं कि शब्द वस्तु नहीं है और निरीक्षक इच्छा से अलग नहीं है? इच्छा कैसे विकसित होती है? इसके पीछे इतनी असाधारण ऊर्जा क्यों होती है? यदि हम इच्छा के स्वरूप को गहराई से नहीं समझते, तो हम सदैव आपसी संघर्ष में रहेंगे।

शुचिता और आनंद का अद्भुत संगम है वसंत पंचमी

वसंत यानी उमंग। जब प्रकृति के साथ-साथ जीवन भी उमंग में झूमने लगे तो समझो वसंत आ गया है। इस वसंत में होली के उद्दाम रंग हैं तो ज्ञान की देवी सरस्वती की पंचमी भी है, जो बराबर यह संदेश देती हैं कि आनंद और उल्लास में हमें शुचिता और विवेक का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी वास्तविक वसंत है।

देवी सरस्वती स्त्री के शरीर के रूप में हैं। स्त्री में ममत्व, देने का भाव, प्यार, पालन-पोषण होता है। सरस्वती का अर्थ है— रसपूर्ण। जो स्व के रस से पूर्ण है, जो अपने आत्मरस में स्थित है, उसी का नाम सरस्वती है।

रती पर जब पीले फूलों की चादर बिछने लगती है, जब मंद-मंद हवा मन में उत्साह का संचार करती है, और जब सूरज की किरणें मानो जीवन को नवजीवन का संदेश देती हैं, तब समझिए वसंत ऋतु ने अपनी दस्तक दे दी है। यह केवल ऋतु का परिवर्तन नहीं, बल्कि प्रकृति का एक अद्भुत उत्सव है, जो हृदय को भी उसी आनंद और उल्लास से भर देता है। इसी उल्लास को जीवन में संजोने का एक विशेष दिन है— वसंत पंचमी। यह वह दिन है, जब विद्या और वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

वृंदावन में इसी दिन से होली के रंगों की शुरुआत होती है। यह दिन केवल ऋतु परिवर्तन का नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नवचेतना और रचनात्मकता का प्रतीक है। शिक्षक, कलाकार, संगीतकार— ये सभी इस दिन देवी सरस्वती के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं, क्योंकि यह सृजन का महापर्व है।

आपने भी देवी सरस्वती की मूर्ति या चित्र देखा होगा। उसमें मां सरस्वती श्वेत कमल पर बैठी हुई हैं। कहीं-कहीं उनको हंस पर बैठे हुए दिखाया जाता है। उनका सुंदर मुख है, श्वेत वस्त्र हैं, चार भुजाएं हैं। सामने दो हाथों में वीणा, पीछे एक हाथ में माला और एक हाथ में ग्रंथ को धारण किए हुए दिखाया जाता है। कहीं-कहीं पर शंख पकड़े हुए भी दिखाया जाता है। सुंदर मुसकान वाली इस विद्या की देवी का पूजन वसंत पंचमी के दिन करते हैं।

प्रकृति के उल्लास में समाहित है देवी सरस्वती की शुचिता और संतुलन का संदेश

देवी सरस्वती स्त्री के शरीर के रूप में हैं। स्त्री में ममत्व, देने का भाव, प्यार, पालन-पोषण होता है। सरस्वती का अर्थ है— रसपूर्ण। जो स्व के रस से पूर्ण है, जो अपने आत्मरस में स्थित है, उसी का नाम सरस्वती है। देवी सरस्वती के सामने दो हाथों में वीणा है। वीणा का अर्थ है— संगीत। वीणा तभी बजती है, जब उसके तार सुर में हों। तार न बहुत कसे हुए हों और न ही बहुत ढीले हों। वीणा इसी बात की ओर संकेत करती है कि हर व्यक्ति को अपनी जीवनरूपी वीणा को ठीक तरह से कसकर रखना चाहिए, न ज्यादा ढीला और न ही बहुत कसा हुआ होना चाहिए। वीणा का अर्थ है— संतुलन। मनुष्य किसी भी धर्म का हो, उसका जीवन संतुलित होना ही चाहिए। जिसका जीवन संतुलित नहीं, उसके जीवन में सुंदर संगीत नहीं बज पाएगा।

देवी के श्वेत वस्त्र पवित्रता का, सौम्यता का प्रतीक हैं। श्वेत रंग संदेश देता है कि हमारा जीवन पवित्र होना चाहिए, उसमें शुचिता होनी चाहिए। मन मैला न हो, वाणी में भी मिठास हो। गंदी भाषा बोलने का किसी को कोई अधिकार नहीं है। हमें यह जीभ ईश्वर का गुणगान करने के लिए मिली है, सत्य वचन बोलने के लिए मिली है। देवी सरस्वती को कहीं-कहीं हंस पर बैठे हुए दिखाया गया है। हंस के बारे में एक मान्यता है कि अगर दूध और पानी मिलाकर हंस के सामने रख दें तो वह सिर्फ दूध पी लेता है और पानी छोड़ देता है। सत्य और असत्य में क्या अंतर है, यह जिसको मालूम है, उसे हंस-वृत्ति का कहा जाता है। देवी के एक हाथ में माला है। माला से संकेत मिलता है कि मंत्र जप करना चाहिए। जैसे माला के मोतियों के अंदर एक ही सूत्र चलता है और वह एक सूत्र सब मणियों को जोड़कर रखता है। ऐसे ही हम सबके अंदर एक ही परमात्मा सूत्र रूप में मौजूद है और अपने अंदर के परमात्मा को पहचानने के लिए मन को अंतर्मुखी कर मंत्र जप करना चाहिए, सुमिरन करना चाहिए।

देवी सरस्वती के एक हाथ में ग्रंथ है। ग्रंथ सूचक है विद्या का, शास्त्र अध्ययन का। जिन ग्रंथों से हमें ज्ञान प्राप्त होता है, उन ग्रंथों से हमारा परिचय होना चाहिए। आपको यह बात समझनी होगी कि ग्रंथों में लिखे अक्षरों को पढ़ना कोई पढ़ना नहीं होता है। शास्त्रों के सूत्रों के सारगर्भित अर्थ का चिंतन भी होना चाहिए और उसके अनुसार अपने जीवन को ढालना भी चाहिए। ज्ञान, विद्या, संतुलन, समस्थिति, कला, नृत्य इन सब विद्याओं का देवी सरस्वती के रूप में एक रूपाकात्मक विग्रह हमें जीवन में प्राप्त हुआ है। इस दिन सब लोग वसंत मनाते हुए केसरी रंग के वस्त्र पहनते हैं, पीले रंग का भोजन बनाते हैं। पंजाब में इस दिन पीले रंग की पतंगें उड़ाई जाती हैं। पीला रंग प्रतीक है— आनंद का, खिलने का। अगर सही मायने में वसंत पंचमी मनानी है, तो इस दिन आप संकल्प लीजिए कि आपके जीवन में शुद्धता, शुचिता, कलात्मकता, अध्ययन, संगीत, नृत्य और ज्ञान आए। अपने जीवन में देवी सरस्वती के वास्तविक स्वरूप को समझकर उसको आत्मसात करें। उनके गुणों को अपने अंदर धारण करें, तभी यह वसंत पंचमी का उत्सव आपके लिए वास्तव में आनंदमय होगा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है।

वृष — भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी।

कर्क — परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

सिंह — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

तुला — आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

वृश्चिक — उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

धनु — कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी।

मकर — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

कुंभ — किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोमांस के मामले में समय खुशनुमा रहेगा।

मीन — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

शेयर-मार्किट में सफलता के कुछ विशेष ग्रहयोग

प्रियंका जैन
9769994439

यदि कुंडली में पंचमेश पंचम भाव मेंही स्थित हो तो शेयर मार्किट से जुड़करलाभ प्राप्त होता है।

यदि पंचमेश (पंचम भाव कास्वामी) स्व या उच्च राशि में होकरशुभ स्थान में हो तो शेयर मार्किट मेंलाभ प्राप्त होता है।

यदि बली पंचमेश की पंचम भाव परदृष्टि हो तो यह भी शेयरमार्केट मेंसफलता दिलाता है।

पंचमेश का दशम या एकादश भावमें होना भी शेयर मार्किट से जुड़करलाभ कराता है।

यदि पंचमेश दशम भाव में औरदशमेश पंचम भाव में हो तो शेयरमार्किट से जुड़कर व्यक्ति लाभ प्राप्तकरता है।

यदि पंचमेश लाभ स्थान (ग्यारहवाभाव) में और लाभेश पंचम भाव में होतो व्यक्ति शेयर मार्किट से बहुत लाभकमाता है।

पंचमेश और धनेश का राशिपरिवर्तन भी शेयर मार्किट में अच्छेपरिणाम दिलाता है।

यदि लाभेश लाभ स्थान में हो यालाभेश की लाभ स्थान पर दृष्टि होतथा पंचमेश और पंचम भाव शुभस्थिति में हों तो भी शेयर मार्किट मेंअच्छा लाभ मिलता है।

पंचमेश का लाभेश या दशमेश केसाथ केंद्र – त्रिकोण में होना भी इसक्षेत्र से लाभ कराता है।

भाग्येश और पंचमेश का राशिपरिवर्तन भी शेयर मार्किट के लिएअच्छा योग है।

राहु का लाभ स्थान (ग्यारहवाभाव) में होना शेयर मार्किट के क्षेत्र केलिए सहायक होता है पर पंचम भावऔर पंचमेश शुभ स्थिति में होनेचाहियें।

यदि शुक्र स्व या उच्च राशि में होतथा पंचमेश शुभ स्थान (केंद्र–त्रिकोण) में हो तो यह भी शेयर मार्किटमें अच्छी सफलता दिलाता है।

राहु का उच्च राशि में होकर शुभ स्थान में बैठना भी व्यक्ति को आकस्मिक निर्णय लेने की अच्छी क्षमता देकर शेयर मार्किट के क्षेत्र में सहायक होता है।

राहु शुभ भाव में हो कुंडली के शुभकारक ग्रहों के प्रभाव में हो तथा किसी ग्रह के साथ कोई दुर्योग न बना रहा हो तो भी इस क्षेत्र के लिए सहायक होता है।

विशेष – जैसा की हमने यहाँ देखा केकुंडली का पंचम भाव शेयर मार्किट केकार्य में अपनी अहम भूमिका निभाताहै और लाभ स्थान व लाभेश की स्थितिहोने वाले लाभ का स्तर तय करती हैतो यहाँ विशेष बात यही है के पंचमभाव और पंचमेश बली होने पर भीआपकी पूरी कुंडली की स्ट्रैन्थ कितनीहै यह बात संपूर्ण सफलता को निश्चितकरती है अर्थात पंचम भाव औरपंचमेश तो बहुत लोगो की कुंडली मेंबलि हो सकते हैं पर हर व्यक्ति कीकुंडली में बने बाकि अच्छे या कमजोरग्रहयोग प्रत्येक व्यक्ति को भिन्न स्तरकी सफलता देते हैं। कुंडली में पंचमभाव, पंचमेश व लाभ स्थान शुभस्थिति में होने पर जो ग्रह कुंडली मेंबहुत बलवान और अच्छी स्थिति में होउन से सम्बंधित वस्तुओं पर निवेशकरना अच्छा होता है।

"जिन लोगो की कुंडली में पंचमेश नीचराशि मे हो, छटे, आठवे या बारहवे भावमे हो, पंचम भाव में पाप योग बन रहेहों, लाभेश पाप भाव में हो या लाभस्थान और लाभेश पीड़ित हों उन्हें शेयरमार्किट में इन्वेस्ट नहीं करना चाहिएऐसे में हानि की अधिक सम्भावनाहोती है।" इसके अतिरिक्त कुंडली मेंचल रही ग्रहदशायें और गोचर ग्रहवर्तमान में लाभ या हानि को निश्चितकरते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

महाकुंभ में भगदड़ के बाद प्रयागराज के होटलों में बुकिंग घटी

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के स्नान पर हुई भगदड़ के बाद वहां होटलों की बुकिंग में भारी गिरावट आई है। हालांकि, होटल मालिकों को उम्मीद है कि बसंत पंचमी स्नान के बाद बुकिंग में फिर से बढ़ोतरी होगी।होटल व्यवसायी यात्रियों से कह रहे हैं कि अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है और वो निश्चिंत होकर महाकुंभ में आ सकते हैं। कई होटल मालिक खुद संभावित ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रयागराज होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह ने कहा, '29 जनवरी की घटना के बाद बुकिंग में भारी गिरावट आई, क्योंकि कई श्रद्धालु अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके। अब स्थिति सामान्य हो गई है, और हम भक्तों से अपील कर रहे हैं कि वो बसंत पंचमी स्नान के बाद आएं ताकि उन्हें किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।' गौरतलब है कि 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे। होटल व्यवसायियों के अनुसार, 28 जनवरी से 30 जनवरी तक कई तीर्थयात्रियों को शहर की सीमा पर ही रोक दिया गया था, जिससे वो अपने होटलों तक नहीं पहुंच सके। जब भगदड़ की खबर फैली, तो बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी बुकिंग रद्द कर दी।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा का फंदे से लटकता शव मिला

वाराणसी। यूपी के वाराणसी में नीट की तैयारी करने वाली 17 साल की एक छात्रा का कमरे में फंदे से लटकता शव मिला। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात उसने खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के पहले उसने इंस्टाग्राम पर सुसाइड की बात पोस्ट की थी। बिहार की रहने वाली ये छात्रा वाराणसी के जवाहर नगर एक्सटेंशन (भेलूपुर) स्थित गर्ल्स हॉस्टल में रहकर तैयारी करती थी। छात्रा के पिता ने आत्महत्या की बात पर शक जताते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि रात में बेटी से अच्छे से बात हुई थी। सब ठीक था। फिर उसने आत्महत्या क्यों की? सासाराम (बिहार) के टाउन थाना क्षेत्र के तकिया गुमटी निवासी सुनील सिंह की 17 वर्षीय बेटी स्नेहा सिंह दो साल से जवाहर नगर एक्सटेंशन में अम्बरीष कुमार के गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। वह दुर्गाकुंड स्थित एक कोचिंग में पढ़ती थी। रात में 11 बजे स्नेहा ने मां खुशी सिंह से फोन पर बात की।

महाकुंभ में लागू होगा क्राउड मैनेजमेंट प्लान

वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा लागू; पार्किंग स्पेस का भी इंतजाम

एजेंसी | प्रयागराज

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ वाली घटना दोबारा न घटे, इसको लेकर अफसरों ने कमर कस ली है। बसंत पंचमी के दिन होने वाले अंतिम अमृत स्नान के चलते श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। सीएम योगी के जीरो एरर के निर्देश के बाद अफसरों ने महाकुंभ में भीड़ नियंत्रण का भी खाका तैयार कर लिया है। महाकुंभ में दो वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को भी तैनात किया गया जो क्राउड मैनेजमेंट प्लान को सफल बनाने में मददगार साबित होंगे। ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए भी पुलिस-प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। अफसरों के अनुसार सोमवार को प्रयागराज में ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ तक पहुंचने वाले सभी मार्गों पर पार्किंग स्पेस का भी इंतजाम रहेगा। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा न बढ़े इसके लिए सभी स्थलों पर क्रॉस मूवमेंट को भी रोका जाएगा। बसंत पंचमी के स्नान को लेकर किसी तरह का कोई वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा।

महाकुंभ में दो वरिष्ठ अधिकारी तैनात

29 जनवरी को पिछले स्नान के दौरान कम से कम 30 लोगों की जान लेने वाली एक घातक भगदड़ को देखते हुए यूपी सरकार ने मेले के सुचारू संचालन की देखरेख के लिए दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तैनात किया है, जो 2019 अर्ध कुंभ को सफलतापूर्वक संचालित करने वाली टीम का हिस्सा थे। आशीष गोयल और भानु चंद्र गोस्वामी, जिनके पास प्रयागराज में प्रशासन का व्यावहारिक अनुभव है, जिसमें 2019 अर्ध कुंभ के दौरान भीड़ प्रबंधन और अंतर-एजेंसी समन्वय की गहरी समझ शामिल है, मेला अधिकारी विजय किरण आनंद के साथ जुड़ गए हैं। वहीं दूसरी ओर रविवार की सुबह, एडीजी भास्कर मेला प्राधिकरण भवन में स्थित एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (ICCC) पहुंचे। वहां, उन्होंने बड़ी स्क्रीन के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र, चौराहों और प्रवेश बिंदुओं की निगरानी की और भीड़ को घाटों से हटाने के लिए व्यक्तिगत रूप से लाउडस्पीकर से निर्देश जारी किए।

एडीजी ने श्रद्धालुओं को माइक से दी सलाह

एडीजी ने माइक से एनाउंसमेंट किया और श्रद्धालुओं को स्नान के बाद घाटों पर अनावश्यक रूप से न रुकने की सलाह दी। उन्होंने कहा, क्षेत्र को खाली करें ताकि अन्य श्रद्धालु स्नान कर सकें। घाटों पर न खाएं-पिएं और जलपान के लिए निर्धारित स्थानों पर जाएं।

भास्कर ने केंद्र पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घाटों पर कहीं भी भीड़ एकत्र न हो और श्रद्धालु स्नान के बाद तुरंत अपने अगले गंतव्य के लिए निकल जाएं। पवित्र स्नान करके लौट रहे रूपम चंद्र ने कहा, संगम घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं को हटाया जा रहा है। घाटों को खाली कराने के लिए पुलिस हर दिशा में सीटी बजा रही है। इसलिए हम स्नान के तुरंत बाद निकल गए। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि पूरे पुलिस बल को पूरे मेला क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम योगी ने ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट को बेहतर बनाने पर दिया था जोर

शनिवार को प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी ने क्राउड मैनेजमेंट को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें सभी स्थलों पर क्रॉस मूवमेंट को रोकना होगा। ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त किया जाए, कहीं भी जाम की स्थिति न बनने दें। दो अधिकारी कंट्रोल रूम से व्यवस्था की निगरानी करें। बाकी अधिकारी बॉर्डर, शहर और मेला क्षेत्र में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें। उन्होंने कहा कि रविवार और सोमवार का दिन हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होगा। प्रमुख स्नान पर्वों और उसके पहले और बाद में किसी तरह का कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं लागू होगा।

ट्रक से टकराई टूरिस्ट बस, डेढ़ दर्जन घायल

जौनपुर। बक्सा थाना क्षेत्र के नौपेड़वा बाजार में अयोध्या धाम से काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए जा रही टूरिस्ट बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गयी जिसमें सवार करीब डेढ़ दर्जन दर्शनार्थी घायल हो गए। रात्रि में सूचना पर पहुँची एम्बुलेंस सभी घायलों को नौपेड़वा सीएचसी अस्पताल ले गयी। जहां इलाज के दौरान पांच घायलों को बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रिफर कर दिया। अधीक्षक डॉ. जीके सिंह ने रात्रि विश्राम व चाय पानी की ब्यवस्था करवाई।छत्तीसगढ़ के थाना बसना व थाना व ब्लॉक सरईपाली व पिथौरा ब्लॉक के अलावा बड़ौदा बाजार के 52 श्रद्धालुओं से भरी टूरिस्ट बस पर सवार हो श्रद्धालु बीते 27 जनवरी को प्रयागराज स्नान के लिए निकले थे। श्रद्धालु स्नान कुम्भ में स्नान के बाद अयोध्या गए, वहां रामलला के दर्शन कर शनिवार दोपहर 1 बजे काशी विश्वनाथ धाम के लिए निकले। बस में सवार घायल आशा कार्यकत्री व गांव की सरपंच सफेदबाई पटेल ने बताया कि रास्ते में भीषण जाम के बीच रात्रि करीब 12 बस घटना स्थल के पास पहुँची अधिकांश दर्शनार्थी नींद में सो रहे थे तभी तेज आवाज के साथ बस सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई । इससे बस में चीख-पुकार मच गयी। बताते हैं कि बस चालक को झपकी आ गयी थी। रात्रि में पीछे से आ रहे वाहन सवार लोगों ने फोन पर एम्बुलेंस को सूचना दी।

जो खुद VVIP स्नान करके गए हैं, वो बात कर रहे हैं: केशव प्रसाद मौर्य

इटावा। प्रयागराज में महाकुंभ में मची भगदड़ के बाद यूपी सरकार विरोधियों के निशाने पर आ गई है। समाजवादी पार्टी के नेता और मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर महाकुंभ में ठीक से व्यवस्था नहीं करने का आरोप लगाया है। अब उनके आरोपों पर यूपी की डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जो खुद वीवीआईपी की तरह कुंभ स्नान करके आए हैं वो ऐसी बातें कर रहे हैं। ये घटिया राजनीति है। सत्ता से उतरने कारण सपा प्रमुख का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। रविवार को कुछ कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए इटावा दौरे पर पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कुंभ में जो घटना हुई उसे लेकर सभी लोग दुखी हैं। जहां तक घटना में मृतकों के आंकड़ों की बात है तो न्यायिक जांच हो रही है उसमें सब कुछ सामने आ जाएगा। अव्यवस्था के जो दावे किये जा रहे हैं वो गलत हैं और राजनीति से प्रेरित हैं।

'रामगोपाल को फिर से बजट पढ़ना चाहिए'

वहीं, सपा नेता रामगोपाल यादव की ओर से बजट को लेकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान से तुलना करने पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वो प्रोफेसर हैं, दोबारा पढ़ें फिर बात करें। यह बजट सबके लिए लाभदायक है। सभी लोगों का ख्याल रखा गया है। मिडिल क्लास के लिए सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। सपा नेता को फिर से बजट को पढ़ना चाहिए।

अयोध्या दलित लड़की की हत्या के बाद सपा सांसद अवधेश प्रसाद के रोने के सवाल पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वो सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। सपा गुंडों और अपराधियों की पार्टी है। इस तरह की घटनाओं में समाजवादी पार्टी के नेताओं का ही हाथ निकलता है। मामले की जांच हो रही है, सच्चाई सामने आ जाएगी। मिल्कीपुर और दिल्ली में इस बार कमल का फूल खिल रहा है।

'महाकुंभ से 'सपा' को पीड़ा हो रही'

मिल्कीपुर रैली में CM योगी बोले- उन्हें गाजी और पाजी प्यारे हैं

मिल्कीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी (SP) पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने सपा को सनातन विरोधी करार देते हुए कहा कि इसे सिर्फ गाजी और पाजी ही प्यारे हैं। सीएम योगी ने मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही है। उन्होंने उपचुनाव को 'राष्ट्रवाद बनाम परिवारवाद' का चुनाव बताया है। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी सनातन धर्म विरोधी है। वह सामाजिक न्याय के पुरोधाओं और महापुरुषों की विरोधी है। यह भारत विरोधी तत्वों और माफिया को गले लगाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा के लोगों का पेशा ही अपराध, गुंडागर्दी, बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाना है। उन्होंने दावा किया कि इनका तो नारा ही था कि 'समाजवादियों का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है।'

'सपा ने महाराजा सुहेलदेव के स्मारक का विरोध किया'

सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के पिछले दो महीनों के ट्वीट को देखिए। उन्होंने इस दौरान जितने भी वक्तव्य दिए हैं, वे इस सदी के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन महाकुंभ का विरोध करते हुए दिए हैं।' सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में दुनिया भर के लोग आकर अभिभूत हो रहे हैं लेकिन पीड़ा सपा को हो रही है।

सपा ने बाबा साहेब का भी अपमान किया: CM योगी

सीएम योगी ने सपा पर अयोध्या में राम मंदिर के शिलान्यास और प्राण प्रतिष्ठा के अलावा हवाई अड्डे के निर्माण का विरोध करने का भी आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने शनिवार को अयोध्या में एक लड़की का शव बरामद होने की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि दलित बेटी के साथ हुई इस घटना की जांच में दोषी व्यक्ति सपा का ही निकलेगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'समाजवादी पार्टी हर माफिया, हर दुष्चरित्र व्यक्ति के साथ हमेशा खड़ी होती है। जो भी घटना घटित होती है।

उपचुनाव के लिए पांच फरवरी को मतदान

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी विकास विरोधी और लोक कल्याण विरोधी है। उसकी दृष्टि सैफई से बाहर नहीं जाती। वे जब सत्ता में आते हैं तो अपने परिवार का भरण पोषण करके सारे पद एक परिवार को दे दिए जाते हैं, इसलिए मिल्कीपुर उपचुनाव भी आज राष्ट्रवाद बनाम परिवारवाद का चुनाव बन गया है।' मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान पांच फरवरी को होना है। इसके नतीजे 8 फरवरी को जारी होंगे। इस सीट पर बीजेपी की ओर से चंद्रभान पासवान मैदान में हैं।

व्यापार जगत

लोगों की ओर से, लोगों के लिए है यह बजट: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अब्राहम लिंकन का उद्धरण देते हुए केंद्रीय बजट 2025-26 को 'लोगों के द्वारा, लोगों के लिए, लोगों का' बजट बताते हुए रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यम वर्ग के लिए करों में कटौती के पक्ष में थे लेकिन नौकरशाहों को इसके लिए राजी करने में वक्त लगा।

सीतारमण ने साक्षात्कार में कहा, 'हमने मध्यम वर्ग की आवाज सुनी है जो ईमानदार करदाता होने के बावजूद अपनी आकांक्षाओं को पूरा नहीं किए जाने की शिकायत कर रहे थे।'करदाताओं की इच्छा थी कि सरकार मुद्रास्फीति जैसे कारकों के प्रभाव को सीमित करने के लिए कदम उठाए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सीतारमण को उन्हें राहत देने के तरीकों पर विचार करने के लिए कहा था। सीतारमण ने कहा कि कर राहत के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री जल्द सहमत हो गए, लेकिन वित्त मंत्रालय और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारियों को इसके लिए मनाने में थोड़ा समय लगा। इन अधिकारियों को कल्याण और अन्य योजनाओं को पूरा करने के लिए राजस्व संग्रह सुनिश्चित करना होता है। सीतारमण ने शनिवार को अपना आठवां बजट पेश करते हुए व्यक्तिगत आयकर सीमा में वृद्धि की घोषणा की। अब करदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं देना होगा जबकि पहले यह सीमा सात लाख रुपये थी। छूट सीमा में पांच लाख रुपये की बढ़ोतरी अबतक की सबसे बड़ी वृद्धि है और यह 2005 और 2023 के बीच दी गई सभी कर राहतों के बराबर है। सीतारमण ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री ने इसे सार रूप में बयां कर दिया। उन्होंने कहा कि यह लोगों का बजट है, यह वह बजट है जिसे लोग चाहते थे।'इस बजट के चरित्र को अपने शब्दों में बयां करने के लिए कहे जाने पर वित्त मंत्री ने कहा, 'जैसा कि अब्राहम लिंकन के शब्दों में लोकतंत्र के बारे में कहा जाता है, यह 'लोगों के द्वारा, लोगों के लिए, लोगों का' बजट है।' सीतारमण ने कहा कि नई दरें मध्यम वर्ग के करों में काफी कमी लाएंगी और उनके हाथों में अधिक पैसा बचेगा जिससे घरेलू खपत, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

कटौती पर कुछ समय से काम चल रहा था: वित्त मंत्री

इस बड़ी घोषणा के पीछे की सोच को समझाते हुए कहा कि कर कटौती पर कुछ समय से काम चल रहा था। प्रत्यक्ष कर को सरल और अनुपालन में आसान बनाने की दिशा में काम जुलाई, 2024 के बजट में शुरू हो गया था। अब एक नया कानून तैयार है, जो कानून की भाषा को आसान बनाएगा, अनुपालन बोझ कम करेगा और उपयोगकर्ता के अधिक अनुकूल होगा।

सीतारमण ने कहा, 'पिछले बजट के बाद मध्यम वर्ग की आवाज उठने लगी। उसे लग रहा था कि वे कर दे रहे हैं लेकिन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनके पास ज्यादा कुछ नहीं है। यह अहसास भी दिख रहा था कि सरकार बहुत गरीब एवं कमजोर तबकों की देखभाल करने में बहुत समावेशी है।' उन्होंने कहा, 'मैं जहां भी गई, वहां से यही आवाज आई कि हम गर्वित और ईमानदार करदाता हैं। हम अच्छे करदाता बनकर देश की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं। लेकिन आप हमारे लिए किस तरह की चीजें कर सकते हैं, इस बारे में आप क्या सोचते हैं?' वित्त मंत्री ने कहा, 'फिर मैंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ इस बारे में चर्चा की, जिन्होंने मुझे यह देखने का खास काम सौंपा कि इस दिशा में क्या किया जा सकता है।' उन्होंने कहा, 'आंकड़ों पर गौर करने के बाद प्रधानमंत्री के समक्ष उसे पेश किया गया। उन्होंने हमें उस कदम के बारे में मार्गदर्शन दिया जिसे शनिवार को बजट में पेश किया गया।'

यह पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री मोदी को संबंधित प्रस्ताव के लिए मनाने में कितना प्रयास करना पड़ा, सीतारमण ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि आपका सवाल यह होना चाहिए कि मुझे मंत्रालय और सीबीडीटी को मनाने में कितना समय लगा।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री बहुत स्पष्ट थे कि वह कुछ करना चाहते हैं। यह मंत्रालय पर निर्भर करता है कि वह सहज महसूस करे और फिर प्रस्ताव के साथ आगे बढ़े। मंत्रालय और सीबीडीटी को समझाने की जरूरत थी क्योंकि उन्हें राजस्व सृजन के बारे में सुनिश्चित होना था।' वित्त मंत्री ने कहा, 'वे (अधिकारी) समय-समय पर मुझे यह याद दिलाने में गलत नहीं थे कि इसका क्या मतलब होगा? लेकिन आखिरकार, सभी इस पर राजी हो गए।' सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री विभिन्न क्षेत्रों के लोगों और उद्योग जगत के नेताओं से मिलते हैं और उनकी आवाज़ सुनते हैं और उनकी जरूरतों पर प्रतिक्रिया देते हैं।

5 आईपीओ और 2 लिस्टिंग, कितना धमाकेदार होगा शेयर बाजार

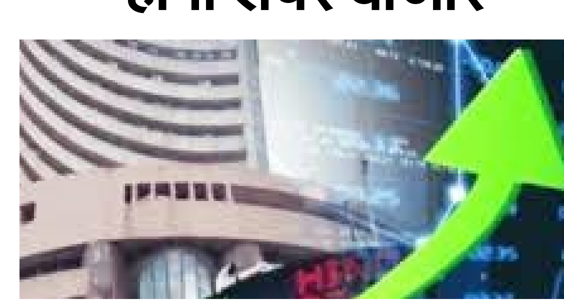

नई दिल्ली। भले ही प्राइमरी मार्केट में अगले हफ्ते मेनबोर्ड आईपीओ ना लॉन्च हो रहा हो, लेकिन 5 एसएमई आईपीओ शेयर बाजार में आने वाले हैं. पिछले हफ्ते, डॉ. अग्रवाल हेल्थ आईपीओ, जो 31 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद हुआ, को सभी श्रेणियों के निवेशकों से अच्छा रिस्पांस मिला था।

जानकारों की मानें तो मौजूदा साल में अभी आईपीओ मार्केट काफी अच्छा रहा है. निवेशकों में काफी उत्साह भी देखने को मिल रहा है. जनवरी के महीने से जो आईपीओ मार्केट ने गति पकड़ी है वो आने वाले महीनों में भी दिख सकती है. जानकारों की मानें तो इस बार देश की कंपनियां शेयर बाजार से 2 लाख करोड़ रुपए जेनरेट करने मन बना चुकी हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कौन—कौन सी कंपनियों के आईपीओ सामने आ रहे हैं.

चामुंडा इलेक्ट्रिकल्स आईपीओ 4 फरवरी, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा और 6 फरवरी को बंद हो जाएगा. आईपीओ 14.60 करोड़ रुपए का बुक बिल्ड इश्यू है और पूरी तरह से 29.19 लाख शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है. आईपीओ का प्राइस बैंड 47 से 50 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

केन एंटरप्राइजेज आईपीओ

केन एंटरप्राइजेज आईपीओ 5 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा और 7 फरवरी को बंद हो जाएगा. आईपीओ 83 .65 करोड़ रुपए फिक्स्ड प्राइस इश्यू है. इस आईपीओ में 61.99 लाख शेयरों के फ्रेश इश्यू और 27 .00 लाख शेयरों ओएफएस शामिल है. फ्रेश इश्यू की वैल्यू 58 .27 करोड़ और ओएफएस का वैल्यू 25 .38 करोड़ है. प्राइस बैंड 94 रुपए तय किया गया है. कॉरपोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड केन एंटरप्राइजेज आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।

बैन लगे ऐप को मुकेश अंबानी ने फिर किया इंडिया में लॉन्च

नई दिल्ली। साल 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी की घटना को लेकर तनाव काफी बढ़ गया था। इस घटना में देश के करीब 20 जवान शहीद हो गए थे। उस समय भारत ने चीन की 50 से ज्यादा ऐप्स को बैन कर दिया था। इसमें TikTok समेत एक फैशन ऐप Shein भी शामिल थी। अब यही फैशन ऐप करीब 5 साल के बाद इंडिया वापस आ गई है। इसे देश में रीलॉन्च करने वाली कंपनी मुकेश अंबानी की रिलायंस रिटेल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी रिलायंस रिटेल ने 5 साल पहले लाइसेंसिंग डील के तहत Shein की एक डेडिकेटेड ऐप लॉन्च की थी।

रॉयटर्स की खबर के मुताबिक शनिवार को ये ऐप बिना किसी शोर-शराबे या ऑफिशियल अनाउंसमेंट के भारत में री-लॉन्च हो गई है। रिलायंस ने पिछले साल ही शीन ऐप को इंडिया में दोबारा लॉन्च करने के लिए एक पार्टनरशिप की थी। कुछ वक्त पहले रिलायंस रिटेल ने अपने फैशन ब्रांड Ajio की ऐप पर Shein की टेस्टिंग कर दी थी। अब Shein ब्रांड करीब 5 साल के बैन के बाद भारत लौट आया है। भारत में फास्ट फैशन तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इस सेगमेंट में टाटा ग्रुप के ब्रांड Zudio ने जहां तेजी से सक्सेस दर्ज की है। वहीं Flipkart की Myntra ऐप इस सेगमेंट में सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। जबकि Snitch जैसे नए स्टार्टअप भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में रिलायंस रिटेल भी इस सेगमेंट में Shein के दम पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। रेडसीर स्ट्रैटजी कंसल्टेंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत का फास्ट फैशन मार्केट 2030-31 तक 50 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है।

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप का खिताब

फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

कुआलालंपुर। भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम को 9 विकेट से हराया। भारत ने लगातार दूसरी बार अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2023 में हुई थी। पहले ही संस्करण में भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने शेफाली वर्मा की कप्तानी में जीत हासिल की थी। अब दो साल बाद दूसरे संस्करण में निकी प्रसाद की कप्तानी में भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की है।

कुआलालंपुर के बयूमास ओवल में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 82 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे भारतीय महिला अंडर 19 टीम को जीत के लिए 83 रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में भारतीय टीम ने 11.2 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारतीय टीम की जीत में गोंगाडी तृषा ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फाइनल में ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए पहले गेंदबाजी में तीन विकेट लिए, फिर बल्ले से नाबाद 44 रन भी बनाए।

83 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला अंडर 19 टीम ने अच्छी शुरुआत की और चार ओवर में टीम का स्कोर 36 रन पहुंचा दिया। पांचवें ओवर में जी कमलिनी के रूप में भारतीय टीम को पहला झटका लगा। कमलिनी 8 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद भारतीय टीम का कोई और विकेट नहीं गिरा और लक्ष्य को 11.2 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। गोंगाडी तृषा 33 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 44 रन और सानिका चाके 22 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकमात्र विकेट कायला रेनेके ने लिया।

इससे पहले फाइनल में पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसे दूसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। सलामी बल्लेबाज सिमोन लॉरेन्स बिना खाता खोले बोल्ड हो गईं। फिर 20 रन के स्कोर पर दूसरी सलामी बल्लेबाज जेम्मा बोथा भी पवेलियन लौट गईं। बोथा ने तीन चौके की मदद से 14 गेंदों पर 16 रन बनाए। 20 रन के स्कोर पर ही दक्षिण अफ्रीका को तीसरा झटका लगा। दियारा रामलाकन 3 रन बनाकर बोल्ड हो गईं। दक्षिण अफ्रीका महिला अंडर 19 टीम के विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा और पूरी टीम 20 ओवर में 82 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान कायला रेनेके 7 रन, काराबो मेसो 10 रन, मीइके वान वूर्स्ट 23 रन, फाय कॉलिंग ने 15 रन बनाए। सेशनी नायडू, एश्ले वैन विक और मोनालिसा लेगोडी खाता भी नहीं खोल सकीं। भारत की ओर से गोंगाडी त्रिशा ने 3 विकेट, वैष्णवी शर्मा, परुणिका सिसोदिया और आयुषी शुक्ला ने क्रमशः 2-2 विकेट अपने नाम किए। शबनम शकील के खाते में एक विकेट आया।

यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया: रूपिंदर पाल सिंह

पुरुष हॉकी इंडिया लीग का खिताब श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने किया अपने नाम

एजेंसी | नई दिल्ली

पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में शनिवार को रोमांचक फाइनल में जुगराज सिंह की शानदार हैट्रिक की मदद से श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने हैदराबाद तूफांस को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिताब जीतने पर बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह हमारा विश्वास था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया।

टूर्नामेंट में अपनी टीम के उतार-चढ़ाव भरे सफर के बारे में बात करते हुए श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि हमारे लिए यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर सात साल के अंतराल के बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी के साथ। टूर्नामेंट को इतने शानदार तरीके से आयोजित करने के लिए हम हॉकी इंडिया के बहुत आभारी हैं। एक टीम के रूप में हमारे सफर में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन अंत में सब कुछ सही रहा। यह हमारा विश्वास ही था जिसने हमें खिताब तक पहुंचाया और मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है, जिसने पूरे टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत की और धैर्य बनाए रखा।

फाइनल के लिए अपनी रणनीति के बारे में आगे बात करते हुए रूपिंदर ने कहा कि हम अपनी पेनल्टी कॉर्नर रणनीतियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए दृढ़ थे। फाइनल में हमारे लिए उन मौकों का अधिकतम लाभ उठाना महत्वपूर्ण था और हमने ऐसा किया। इसके अतिरिक्त, हमने अपनी रक्षात्मक संरचना को मजबूत करने और अधिकतम कब्जे को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया। इन सभी प्रयासों ने हमें मैच में वापसी करने और अंततः खिताब सुरक्षित करने में मदद की।

पुरुष हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का फाइनल मैच राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में शनिवार को हुआ था। फाइनल मुकाबले में बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह (25वें मिनट, 32वें मिनट, 35वें मिनट) और सैम लेन (54वें मिनट) ने गोल किया, जबकि हैदराबाद तूफांस के लिए गोंजालो पेइलट (9वें मिनट, 39वें मिनट) और अमनदीप लकड़ा (26वें मिनट) ने गोल दागे।

उल्लेखनीय है कि श्राची रारह बंगाल टाइगर्स ने 10 मैचों में 19 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जिसमें 6 जीत, 3 हार और 1 शूटआउट हार शामिल थी। जुगराज सिंह टाइगर्स के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ी साबित हुए और वह 12 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे।

न्यूज ब्रीफ

ऑलराउंडर की ICC सूची में टॉप पर हार्दिक पांड्या.. तिलक वर्मा ने भी लगाई छलांग

नई दिल्ली। टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच टी20 की सीरीज चल रही है। तो वहीं चौथे टी20 मैच में हार्दिक पांड्या की तूफानी पारी ने टीम इंडिया को जीत दिलाई। इस मैच में हार्दिक पांड्या ने एक रिकॉर्ड बनाया है। हार्दिक ने तेजतर्रार अर्धशतक जड़ने के बाद टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने देश के लिए सबसे अधिक टी20 रन बनाने के मामले में शिखर धवन को पछाड़ दिया है। पांड्या टी20आई में देश के पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं हार्दिक ने आईसीसी टी20I ऑलराउंडर की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया। हार्दिक पांड्या ने लियाम लिविंगस्टन को पछाड़कर नंबर-1 का टैग अपन नाम किया। दरअसल, हार्दिक पांड्या ने T20I ऑलराउंडर में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ दिया हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई चार मैचों की टी20I सीरीज में हार्दिक ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया और उनके इस प्रदर्शन के बाद ही ये बड़ा इनाम मिला है। बता दें कि भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को चार मैचों की टी20I सीरीज में 3-1 से मात दी। इस जीत में हार्दिक पांड्या का अहम रोल रहा, जिन्होंने दूसरे मैच में नाबाद 39 रन बनाए। ये रन उस वक्त निकले जब टीम इंडिया मुश्किल स्थिति में थी। हालांकि, भारत वह मैच हार गया। तिलक वर्मा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। तिलक वर्मा को भारत-साउथ अफ्रीका T20I सीरीज के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीद से नवाजा गया। तिलक ने बल्ले से दो शतक जड़े और पूरी सीरीज में 280 रन बनाए। तिलक वर्मा को इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने का फायदा मिला। आईसीसी रैंकिंग में तिलक वर्मा ने 69 स्थानों की लंबी छलांग लगाई और तीसरे स्थान पर पहुंचे। टी20 इंटरनेशनल बैटर्स रैंकिंग में दूसरे स्थान पर फिल साल्ट है, जबकि पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शुमार हैं।

जम्मू-कश्मीर पुणे में केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेलेगा

पुणे। दो फरवरी (भाषा) जम्मू-कश्मीर और केरल के बीच रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल आठ फरवरी से यहां महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) के स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को श्रीनगर में खेला जाना था लेकिन जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ ने 'खराब मौसम के पूर्वानुमान' को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से चिंता जाहिर की जिसके बाद इसके स्थल में बदलाव किया गया। एमसीए के अध्यक्ष रोहित पवार ने रविवार को एक बयान में कहा, ' इस मैच की मेजबानी के लिए हमारे पास अच्छा बुनियादी ढांचा है और मुझे यकीन है कि इन परिस्थितियों में दोनों टीमों के लिए यह एक शानदार अनुभव होगा।' एमसीए सचिव कमलेश पिसल ने कहा, 'हमारे आयोजन स्थल पर मौसम की कोई चिंता नहीं है, जिसने इसे महत्वपूर्ण मैच के लिए एक आदर्श विकल्प बना दिया है।' जम्मू कश्मीर ने रविवार को ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में बड़ौदा को 182 रनों के बड़े अंतर से हराकर गत चैंपियन मुंबई के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

स्पिनर हर्ष दुबे के छह विकेट की मदद से विदर्भ ने हैदराबाद को 58 रन से हराया

नागपुर। बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे के छह विकेट की मदद से पिछले साल के उपविजेता विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में रविवार को यहां हैदराबाद को 58 रन से हराकर शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच' दुबे ने दूसरी पारी में 57 रन देकर छह विकेट लिये जिससे जीत के लिए 220 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही हैदराबाद की दूसरी पारी 161 रन पर सिमट गयी। इस जीत से टीम ग्रुप तालिका में 40 अंक के साथ शीर्ष पर रही। दिन की शुरुआत एक विकेट पर 23 रन से आगे से करने वाले हैदराबाद के लिए दूसरी पारी में विकेटकीपर राहुल रादेश ने 48 रन का योगदान दिया। उन्हें दूसरे छोर से अच्छा साथ नहीं मिला। वह जब सातवें बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए तब टीम का स्कोर 116 रन था। मोहम्मद सिराज ने 14 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 26 रन बनाकर मैच में रोमांच पैदा करने की कोशिश की लेकिन वह दुबे का छठा शिकार बने जिससे टीम की पारी खत्म हो गयी। दुबे ने 15 मैचों में सातवीं बार पारी में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा किया है।

अगले साल लखनऊ में होगी व्हीलचेयर वर्ल्ड हैंडबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी | लखनऊ

नॉर्वे के ओस्लो में आयोजित इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन (आईएचएफ) की बैठक में भारत को अगले साल होने वाली व्हीलचेयर वर्ल्ड हैंडबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी गई। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन लखनऊ में किया जाएगा। बैठक के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने किया। इस बैठक की अध्यक्षता आईएचएफ अध्यक्ष डॉ. हसन मुस्तफा ने की, जबकि आईएचएफ के उपाध्यक्ष अल बदर और एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के महासचिव मोहम्मद शफीक भी मौजूद रहे।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया (एचएआई) के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने जानकारी दी कि इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन ने सर्वसम्मति से भारत को व्हीलचेयर वर्ल्ड हैंडबॉल चैंपियनशिप की मेज़बानी सौंपी, जो अगले साल लखनऊ में होगी। यह निर्णय भारत में पिछले आयोजनों की सफलता को देखते हुए लिया गया।आईएचएफ अध्यक्ष डॉ. हसन मुस्तफा ने हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया ख़ासकर डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में बीते वर्षों में आयोजित आईएचएफ ट्रॉफी और सीनियर महिला एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी की।भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का शानदार आयोजन हुआ, जिसमें जयपुर और लखनऊ में हुई आईएचएफ ट्रॉफी तथा नई दिल्ली में आयोजित सीनियर महिला एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप 2024 शामिल हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले चार वर्षों में भारत की टीमें लगातार वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर रही हैं। एचएआई निदेशक डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि पिछले महीने लखनऊ में आईएचएफ़ ट्रॉफी की शानदार मेज़बानी से अभिभूत आईएचएफ ने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप की मेज़बानी भारत को सौंपी है। लखनऊ के लिए यह आयोजन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी और इससे भारत में हैंडबॉल के विकास को नया आयाम मिलेगा।उन्होंने कहा कि हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कोचों के लिए इस साल आईएचएफ के विशेषज्ञों की देखरेख में कोचेस लाइसेंस कोर्स का आयोजन लखनऊ में किया जाएगा। इसके अलावा, आईएचएफ स्कूल ट्रेनिंग प्रोग्राम की भी शुरुआत लखनऊ से होगी, जिससे खेल के बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण प्रणाली को और मजबूत किया जा सकेगा।

15 साल की उम्र में घर से क्यों भाग गए थे रवि किशन?

फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अदाकारी से पहचान बनाने वाले रवि किशन आज राजनीति के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। गोरखपुर से बीजेपी सांसद बनने का सफ़र आसान नहीं रहा। रवि किशन ने अपने जीवन में गरीबी और संघर्ष का सामना किया है – एक समय में मिट्टी के घर में रहते थे और उनके पिता दूध की डेयरी चलाते थे।

बचपन की दुलभ यादें और संघर्ष

कई इंटरव्यूज में रवि किशन ने अपनी पर्सनल लाइफ के उन पलों का जिक्र किया है जब उन्हें गरीबी और पिताजी के कठोर स्वरूप का सामना करना पड़ा। एक अवसर पर पैसे चोरी करने पर उनके पिता ने इतनी पिटाई कर दी कि उन्हें लगा कि मौत आ गई। उस वक्त उनकी उम्र लगभग 14-15 साल की थी।

मंदिर में सिक्कों का खेल

एक इंटरव्यू में रवि किशन ने बताया कि कैसे वे बचपन में हनुमान जी के मंदिर जाते और सिक्कों की चिपकती परिक्रमा करते थे। शनिवार को मंदिर में चढ़ते पैसे की बूँदों से वे न केवल उत्सुक थे, बल्कि सिक्कों को इकट्ठा भी करते थे। उन्होंने कबूल किया कि वे कई बार अपने पिता की दूध की दुकान से भी पैसे चुराते थे।

मां की मदद से मिली नई राह

इतना कठोर अनुभव सहन करने के बाद एक दिन रवि किशन को अपने पिता ने रामलीला के दौरान सीता के रूप में देख लिया। उस समय पिताजी ने उन्हें इतना मार डाला कि उन्हें लगा कि उनकी मृत्यु हो जाएगी। तभी उनकी मां ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें 500 रुपये दिए और कहा, ₹भाग जाओ, यहाँ से नहीं तो तू नहीं बचेगा।₹ यदि उस दिन रवि किशन ने घर से भागने का फैसला नहीं किया होता, तो शायद आज वे इस मुकाम पर नहीं पहुँच पाते।

संघर्ष से सफलता तक

रवि किशन के जीवन की ये कठिन घड़ियां उन्हें एक मजबूत इंसान में ढाल गईं। अपने बचपन के संघर्षों को पार करते हुए उन्होंने न केवल फिल्म इंडस्ट्री में सफलता पाई, बल्कि राजनीति में भी एक अहम मुकाम हासिल किया। उनका यह सफ़र आज युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है कि कठिनाईयों से लड़ते हुए सफलता के शिखर तक पहुँचा जा सकता है।

रोमांटिक फिल्में करना चाहता हूं, मगर कोई डायरेक्टर मुझे लेगा नहीं' बोले जयदीप अहलावत

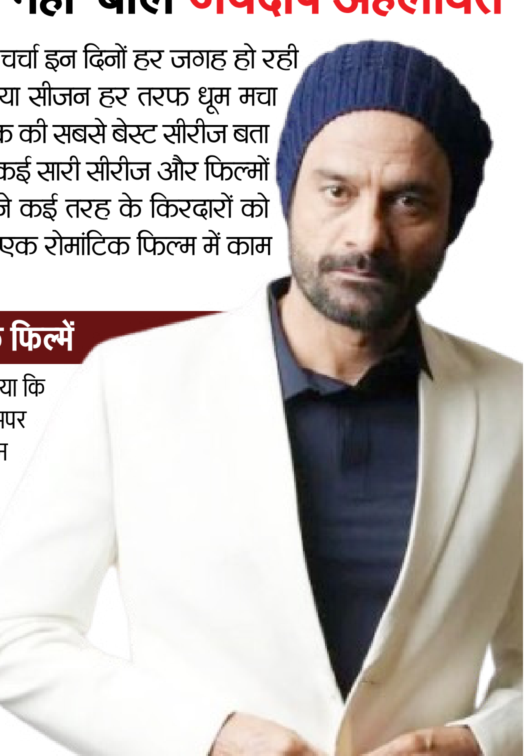

बॉलीवुड एक्टर जयदीप अहलावत की चर्चा इन दिनों हर जगह हो रही है। उनकी 'पाताल लोक' सीरीज का नया सीजन हर तरफ धूम मचा रहा है। लोग उनकी सीरीज को अभी तक की सबसे बेस्ट सीरीज बता रहे हैं। जयदीप 'पाताल लोक' से पहले कई सारी सीरीज और फिल्मों में काम कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कई तरह के किरदारों को प्ले किया है। लेकिन उन्होंने अभी तक एक रोमांटिक फिल्म में काम नहीं किया।

जयदीप करना चाह रहे रोमांटिक फिल्में

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर से पूछा गया कि क्या वो रोमांटिक फिल्में नहीं करना चाहते? जिसपर उन्होंने जवाब दिया कि वो करना चाह रहे हैं लेकिन कोई फिल्म मेकर उन्हें उस रोल में कास्ट नहीं करना चाह रहा। जयदीप ने कहा, 'मुझे कोई लेगा नहीं। मैं तो कर लूंगा। हो सकता है मैं गलत भी हूं। लेकिन पहले सामने वाले को यकीन करना पड़ेगा।' जयदीप हॉलीवुड में भी जाना चाहते हैं जिससे उनका काम ग्लोबल ऑडियंस भी देख सके। उनका कहना है कि कहीं भी काम करूं अच्छा काम चाहिए। मुझे लोगों तक पहुंचना है।'

फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप की होगी एंट्री?

'पाताल लोक' के बाद, खबर है कि जयदीप अहलावत एक्टर मनोज बाजपेयी की हिट वेब सीरीज 'फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में भी नजर आ सकते हैं। ऐसी अफवाहे हैं कि जयदीप का किरदार, मनोज के किरदार के आमने-सामने आएगा। जिस बीच दोनों में थोड़ी भिड़ंत भी देखने को मिल सकती है। राज एंड डीके के डायरेक्शन में बन रही इस सीरीज का क्रेज काफी ज्यादा है। ऊपर से जयदीप की दमदार परफॉरमेंस से लोगों में इसकी उत्सुकता काफी बढ़ गई है। हालांकि इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि जयदीप फैमिली मैन में दिखने वाले हैं।

'रोडीज' के नए सीजन में रिया चक्रवर्ती पर भड़क गई नेहा धूपिया

'बिग बॉस 18' भले ही खत्म हो चुका हो, लेकिन एक और रियलिटी शो Roadies XX शुरू हो गया है। 'बिग बॉस' की तरह इसमें भी कंटेस्टेंट के जमकर ड्रामेबाजी देखने को मिलती है। 11 जनवरी से स्ट्रीम हो रहे शो में चार गैंग लीडर प्रिंस नरूला, एल्विश यादव, नेहा धूपिया और रिया चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। गैंग लीडर्स के लड़ाई-झगड़े से लेकर कंटेस्टेंट्स के सेलेक्शन तक शो की ओरिजनलिटी बनी हुई है। हाल ही में शो में कुछ ऐसा देखने को मिला, जो कि चौंकाने वाला था। शो में नेहा धूपिया, रिया चक्रवर्ती पर भड़कती नजर आई थीं। Roadies XX में अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि गैंग लीडर्स और कंटेस्टेंट्स के बीच गेम को लेकर लड़ाई हो जाती है, लेकिन इस बार तो दो गैंग लीडर्स ही आपस में भिड़ गए। नेहा धूपिया और रिया चक्रवर्ती के बीच बहस इतनी बढ़ जाती है कि वो रिया चक्रवर्ती को जुबान संभालने के लिए बोल देती हैं। दरअसल, एक एपिसोड में हुआ कुछ यूं था कि सेलेक्शन प्रोसेस टास्क के वक्त तक तो सब ठीक चल रहा था। लेकिन थोड़ी देर के बाद ही रिया चक्रवर्ती और नेहा धूपिया आपस में भिड़ गईं। रिया चक्रवर्ती मस्ती करते हुए नेहा धूपिया के लिए एक टर्म का इस्तेमाल करती हैं, जो कि नेहा को बुरा लग जाता है। इसके बाद तो नेहा रिया पर भड़क जाती हैं और कहती हैं, "जुबान संभालो अपनी।"

भारत की सबसे महंगी फिल्म से अचानक प्रियंका चोपड़ा ने क्यों ले लिया ब्रेक

'बाहुबली' और 'RRR' जैसी बड़ी फिल्में बना चुके एस।एस राजामौली लंबे समय से महेश बाबू के साथ एक बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं। फिलहाल फिल्म को SSMB29 का नाम दिया गया है। इस पिक्चर में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन प्रियंका के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रेक ले लिया है। SSMB29 भारत की सबसे महंगी फिल्म कही जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म को बनाने में मेकर्स लगभग 1000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट की मानें तो प्रियंका चोपड़ा के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। भाई की शादी की वजह से प्रियंका ने शूटिंग से ब्रेक लिया है। पिछले साल प्रियंका के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय का रोका हुआ था। अब दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। भाई की शादी के लिए प्रियंका मुंबई पहुंच चुकी हैं। वो एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि प्रियंका की गैर हाजिरी में भी SSMB29 की शूटिंग का काम जारी रहेगा। शूटिंग में कोई देरी नहीं होगी। राजामौली ने अभी महेश बाबू के सीन की शूटिंग प्लान की है। भाई की शादी के बाद प्रियंका शूटिंग में शामिल होंगी, जिसके बाद उनके सीन फिल्माए जाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

दो और बांग्लादेशी घुसपैठिए अरेस्ट

अजमेर। जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और दरगाह थाना की बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अब दो और बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया। जिला पुलिस के अलावा खुफिया पुलिस व आईबी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। दरगाह थाना पुलिस ने निष्कासन की कार्रवाई शुरू कर दी। थानाप्रभारी दिनेश जीवनानी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर की ओर से अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान व उनके निष्कासन की कार्रवाई के आदेश पर सीओ दरगाह लक्ष्मणराम के नेतृत्व में विशेष अभियान जारी है।

दहेज में बुलेट की मांग, विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

अमरोहा। अमरोहा के गजरौला में दहेज में बुलेट बाइक की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वालों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। मामले में कोर्ट के आदेश पर आरोपी पति समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना गजरौला क्षेत्र के गांव कांकाठेर निवासी राधेश्याम ने अपनी बेटी नेमवती की शादी साल 2013 में संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र के गांव कनैटा निवासी चिंटू राणा पुत्र शंकर राणा के साथ की थी। आरोप है कि शादी के कुछ साल बाद ही ससुराल वालों ने विवाहिता से दहेज में बुलेट बाइक की मांग कर दी। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। 20 दिसंबर 2023 को विवाहिता को फिर से मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। प्रभारी निरीक्षक सनोज प्रताप ने मामले में कोर्ट के आदेश पर आरोपी पति चिंटू, ससुर शंकर राणा, सास भूरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

व्हाट्सएप कॉल कर 5 लाख रुपये ठगे

बरेली। बहेड़ी क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक युवक को अमेरिकन कार्ड बनवाने का झांसा दिया, और उससे 5 लाख रुपये की ठगी कर ली। युवक ने बताया कि उसके खाते से 7 बार में रकम निकाली गई। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बहेड़ी निवासी मुकेश गर्ग ने बताया कि उनके व्हाट्सएप पर अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड बनवाने का झांसा दिया। झांसा देकर क्रेडिट कार्ड, आधार कार्ड और पैनकार्ड की जानकारी ले ली। इसके बाद मदद के बहाने उनकी फोन स्क्रीन को शेयर कराया और उसमें ओटीपी देखकर सात बार में 5 लाख 2 हजार 728 रुपये उनके खाते से निकाल लिए।

रेल भवन से गायब हुई सिग्नल इंजीनियरों की पदोन्नति की फाइल

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय की तरफ से एक तलाशी ज्ञापन जारी किया गया है, जिसके अनुसार रेल भवन में सिग्नल इंजीनियरों की पदोन्नति की फाइल रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के गोपनीय कक्ष से गायब हो गई है। भारतीय रेलवे सेवा सिग्नल इंजीनियरों के 2015 बैच की पदोन्नति की फाइल रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के गोपनीय कक्ष से गायब हो गई है। इस फाइल में सिग्नल विभाग के 200 से अधिक जेएजी अधिकारियों की पदोन्नति से संबंधित दस्तावेज हैं। सूत्रों के मुताबिक, अधिकारियों ने तलाशी ज्ञापन (सर्च मेमो) जारी किया है।

'मैं ईमानदार, तुम चोर...'

PM मोदी-केजरीवाल में चल रहा खेल: प्रियंका गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए अब सिर्फ कल तक का समय बचा है। इसके लिए रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में तेजी से प्रचार अभियान चल रहा है। कांग्रेस महासचिव और लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी ने आज सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर बीजेपी और आम आदमी पार्टी रहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव में सब आते हैं और अपनी-अपनी बातें करते हैं, आपकी कौन बात करता है?

प्रियंका गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'इतने सालों में पीएम मोदी कभी गांव नहीं आए, मेरे पिताजी गांव जाते थे। उन्हें महिलाएं डांटती थीं कि सड़क नहीं बनी है। पिताजी लोकतंत्र में जनता को सर्वोच्च मानते थे। मोदी जी को डांटने

की कोशिश करोगे तो जेल में डाल दिए जाओगे, गाड़ी के सामने खड़े हो जाओ तो जेल जाओगे।' प्रियंका गांधी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और पीएम मोदी उद्योगपतियों के गुलाम हैं।

बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं: प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बजट पर कहा, 'सरकार ने हर चीज पर जीएसटी लगा दिया है, हर चीज पर जीएसटी है, किताबों पर जीएसटी है, पेंसिल पर जीएसटी है, पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी है। कल उन्होंने बजट पर एक घंटे का भाषण दिया, लेकिन महंगाई पर एक शब्द नहीं बोले।' उन्होंने कहा कि पूरे देश की संपत्ति उद्योगपतियों को दी जा रही है। क्या यह उनकी संपत्ति है? यह सब आपकी संपत्ति है। आपको कर्ज लेना होगा, बड़े उद्योगपतियों के कर्ज माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति ईमानदारी से उभरी, फिर शराब घोटाला हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग चोर हैं, फिर सब कुछ अंबानी-अडानी को सौंप दिया गया। प्रियंका गांधी ने कहा, 'केजरीवाल और पीएम मोदी उद्योगपतियों के गुलाम हैं। ये लोग ऐसी योजनाएं लाते हैं, नोटबंदी में लाइन में खड़े रहते हैं, क्या निकला। जब कोरोना हुआ, लोग रो रहे थे और मर रहे थे, मोदी जी कहां गए थे, वे पूरी दुनिया घूमेंगे लेकिन सीमापुरी नहीं आए।'

'अपना झोला उठाएंगे और चले जाएंगे'

प्रियंका गांधी ने कहा, 'अगर केजरीवाल जी अपना चेहरा चमकाने के लिए 450 करोड़ का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वह पैसा किसका है? मोदी जी 1000 करोड़ का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे कहते हैं कि वे अपना झोला उठाएंगे और चले जाएंगे। समय आ गया है, धीरे-धीरे आ रहा है।' उन्होंने कहा, 'उन्हें लिखना चाहिए, देश के लोगों, आपका शुक्रिया, मैंने आपका पैसा खर्च किया है।'

दिल्ली में कांग्रेस के पूर्व शासन पर उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री शीला जी ने इतना काम किया, अब हालात इतने खराब हैं, हम सांस नहीं ले पा रहे हैं, इतना प्रदूषण है। जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां अच्छा काम हो रहा है। मोदी जी और केजरीवाल जी के बीच खेल चल रहा है, मैं अच्छा, तुम बुरे, मैं ईमानदार, तुम चोर।'

भारत में खराब मौसम की घटनाओं से खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ रही: आर्थिक सर्वेक्षण

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने अपने नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण में कहा है कि भारत में खाद्य मुद्रास्फीति की दर पिछले दो वर्षों से वैश्विक प्रवृत्ति के उलट स्थिर बनी हुई है और इसका एक कारण बार-बार होने वाली खराब मौसम संबंधी घटनाएं हैं। शुक्रवार को संसद में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दो वर्षों में प्याज और टमाटर के उत्पादन में गिरावट का आंशिक कारण अन्य क्षेत्रों की तुलना में प्रमुख उत्पादक राज्यों में खराब मौसम संबंधी घटनाएं रही होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में खराब मौसम की घटनाओं ने प्रमुख बागवानी उत्पादक राज्यों में फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिससे बागवानी फसलों पर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले दो वर्षों में भारत की खाद्य मुद्रास्फीति दर स्थिर बनी हुई है, जो स्थिर या घटती खाद्य मुद्रास्फीति के वैश्विक रुझानों से अलग है। इसके लिए खराब मौसम की घटनाओं से आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान पड़ना और कुछ खाद्य पदार्थों की कम पैदावार जैसे कारक को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में खराब मौसम की वजह से नुकसान का सामना करने वाला कुल फसल क्षेत्र पिछले दो सालों की तुलना में ज्यादा है।

जलवायु परिवर्तन और मूल्य स्थिरता पर सरकार का फोकस

सरकार ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों का भी हवाला दिया, जो खराब मौसम की घटनाओं, खासकर लू की आवृत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भू-राजनीतिक संघर्षों और खराब मौसम जैसे कारकों के चलते कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है, लेकिन अब उनका प्रभाव कम हो गया है, जिससे कीमतों में अधिक बदलाव आया है। रिपोर्ट में दीर्घकालिक मूल्य स्थिरता के लिए जलवायु-प्रतिरोधी फसलें विकसित करने, कीमतों की निगरानी के लिए डेटा सिस्टम को मजबूत करने, फसल की क्षति घटाने और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने का सुझाव दिया गया है। शनिवार को, सरकार ने दलहन का उत्पादन बढ़ाने के लिए छह साल के मिशन की घोषणा की, जिसका लक्ष्य तुअर, उड़द और मसूर के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है।

'आप' ने लॉन्च किया योजनाओं का बचत वेब पोर्टल

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) ने aapkibachat.com नाम से वेब पोर्टल लॉन्च किया है। पार्टी का कहना है कि इससे दिल्लीवासी विभिन्न सरकारी योजनाओं से होने वाली बचत का पता लगा सकते हैं।

आआपा की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने रविवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि दिल्ली के लोग इस वेब पोर्टल पर जाकर हर महीने हो रही अपनी बचत का हिसाब लगा सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में फ्री बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज व महिलाओं की बस सफर से हर परिवार की कम से कम 25 हजार रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि आआपा सरकार बनने के बाद महिला सम्मान, संजीवनी योजना और छात्रों की

फ्री बस यात्रा व मेट्रो किराए में 50 फीसद की छूट लागू की जाएगी। इसके बाद दिल्लीवालों को हर महीने कम से कम 35 हजार रुपये की बचत होगी।

प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि उनकी सरकार ने कहा था कि भाजपा की सरकार घोषणा कर दे कि वह 16 लाख करोड़ रुपये माफ नहीं करेगी, ताकि लोगों की ईएमआई, इनकम टैक्स की दरें आधी हो जाएं और आवश्यक चीजों पर लगा जीएसटी खत्म कर दिया जाए। एक तरफ खपत वाली सरकार है, जिसने जनता को वोट और नोट बैंक समझकर लोगों से केवल टैक्स निचोड़ा है। वहीं दूसरी तरफ आआप की सरकार है जिसने लोगों की बचत कराई है। आज लोगों की औसतन 25 हजार रुपये की बचत हो रही है और आने वाली योजनाओं से 10 हजार रुपये की बचत होगी।

अयोध्या में दलित युवती का शव मिलने का मामला

राहुल - प्रियंका ने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में एक लापता दलित युवती का शव नहर में मिलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और दोषियों तथा कदम नहीं उठाने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अयोध्या में लापता 22 वर्षीय दलित युवती का निर्वस्त्र शव उसके गांव के पास नहर में मिला। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि युवती के परिवार ने हत्या का आरोप लगाया है। परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि उसकी आंखें निकाल ली गई थीं और शरीर पर गहरे घाव के निशान थे।

युवती के परिवार ने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अधिकारियों ने सक्रियता से उसकी तलाश नहीं की। राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अयोध्या में दलित बेटी के साथ हुई अमानवता और उसकी नृशंस हत्या हृदयविदारक तथा बहुत शर्मनाक है। तीन दिन से गूंजती पीड़िता के परिवार की मदद की पुकार पर अगर प्रशासन ने ध्यान दिया होता, तो शायद उसका जीवन बचाया जा सकता था।'

समूची मानवता को शर्मसार करती हैं ऐसी क्रूर घटनाएं

उन्होंने कहा, 'एक और बेटी के जीवन का इस घिनौने अपराध से अंत हो गया। आखिर कब तक और कितने परिवारों को इस तरह रोना-तड़पना पड़ेगा? बहुजन विरोधी भाजपा राज में खासकर उत्तर प्रदेश में दलितों पर घृणित अत्याचार, अन्याय और हत्या बेलगाम बढ़ता जा रहा है।' राहुल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार इस अपराध की तुरंत जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के साथ जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा, 'और कृपया कर पीड़ित परिवार को हमेशा की तरह प्रताड़ित न करें। देश की बेटियां और पूरा दलित समाज न्याय के लिए आपकी ओर देख रहा है।' प्रियंका ने कहा, 'अयोध्या में भागवत कथा सुनने गई एक दलित युवती के साथ जिस तरह की बर्बरता हुई, उसे सुनकर किसी भी इंसान की रूह कांप जाए। ऐसी क्रूर घटनाएं समूची मानवता को शर्मसार करती हैं। युवती तीन दिन से गायब थी, लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया।' उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'भाजपा के जंगलराज में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों की चीख कोई सुनने वाला नहीं है।' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, 'उत्तर प्रदेश सरकार दलितों पर अत्याचार का पर्याय बन गई है। मेरी मांग है कि अत्याचार करने वाले दोषियों के साथ-साथ जिम्मेदार पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।'

महाकुंभ हादसे का सच छिपा रही है योगी सरकार : डिंपल यादव

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने रविवार को महाकुंभ की घटना को लेकर योगी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि महाकुंभ हादसे का सच योगी सरकार छिपाने में जुटी हुई है। साथ ही कहा कि महाकुंभ को लेकर के सरकार झूठी वाहवाही लूटने में जुटी हुई है।

मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव रविवार शाम को इटावा में समाजवादी पार्टी सांसद जितेंद्र दोहरे के बेटे के तिलक समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा है कि महाकुंभ में घटी घटना को छिपाने में योगी सरकार लगी हुई है, जब कि हकीकत में हादसा बहुत बड़ा है जिसको सरकार और पूरी मशीनरी लगातार छिपाने में जुटी हुई है।

डिंपल यादव ने कहा कि पूरी सरकार, पूरी मशीनरी कुंभ की घटना को छिपाने में लगी हुई है। ये दुखद घटना है, हम सरकार से यही कहना चाहते है कि आप सुनिश्चित करिए कि परिवार को उनके परिजनों के पार्थिव शरीर मिल जाए, जो भटक रहे है, जो पीड़ा लोगों को है, उनकी पीड़ा को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हादसे को लेकर के लगातार मीडिया की ओर से जो तथ्य प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

इसरो के 100वें रॉकेट मिशन में बाधा आई

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 100वें रॉकेट मिशन में बाधा आ गई है। बुधवार को प्रक्षेपित किए गए उसके नेविगेशन सैटेलाइट में रविवार को तकनीकी खराबी आ गई है। अपनी वेबसाइट पर मिशन पर एक अपडेट में, इसरो ने कहा कि 'सैटेलाइट को डेसिगनेटेड ऑर्बिट स्लॉट में स्थापित करने की दिशा में ऑर्बिट रेजिंग ऑपरेशन नहीं चलाया जा सका, क्योंकि ऑर्बिट रेजिंग के लिए थ्रस्टर्स को फायर करने के लिए ऑक्सीडाइज़र को स्वीकार करने के लिए वाल्व नहीं खुले।'

यू आर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा

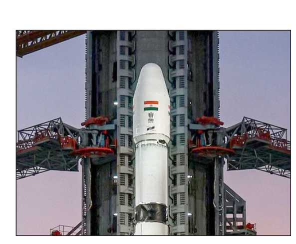

निर्मित सैटेलाइट एनवीएस-02 को भारत में डेसिगनेटेड स्पॉट पर एक जियोस्टेशनरी सर्कुलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। चूंकि सैटेलाइट पर मौजूद तरल इंजन ठीक से काम नहीं कर रहा है, इसलिए इसे इसकी डेसिगनेटेड ऑर्बिट में भेजने के प्रयास में या तो देरी हो रही है या इसे पूरी तरह से छोड़ दिया जा सकता है।

NavIC सैटेलाइट मिशन में तकनीकी चुनौतियां

इसरो ने कहा, 'सैटेलाइट सिस्टम स्वस्थ हैं और सैटेलाइट वर्तमान में अण्डाकार ऑर्बिट में है। अण्डाकार ऑर्बिट में नेविगेशन के लिए उपग्रह का उपयोग करने के लिए वैकल्पिक मिशन रणनीतियों पर काम किया जा रहा है।'बुधवार सुबह 6:23 बजे, इसरो ने अपने 100वें मिशन को चिह्नित करते हुए, आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में NVS-02 को ले जाने वाले अपने GSLV-F15 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। यह मिशन अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन के लिए भी पहला है, जिन्होंने हाल ही में पदभार संभाला है। यह इसरो का इस साल का पहला वेंचर भी है। अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने कहा कि सैटेलाइट पृथ्वी के निकटतम बिंदु पर लगभग 170 किलोमीटर की अत्यधिक अण्डाकार ऑर्बिट से और पृथ्वी से सबसे दूर बिंदु पर लगभग 36,577 किलोमीटर की दूरी पर अपने डेसिगनेटेड काम करने में सक्षम नहीं होगा। 2,250 किलोग्राम का ये सैटेलाइट नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) का हिस्सा था, जो ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम या जीपीएस का एक क्षेत्रीय समकक्ष है। NavIC को भारत ने पाकिस्तान के साथ 1999 के कारगिल युद्ध के बाद विकसित किया था।

फीस जमा न होने पर बीटेक छात्र को शिक्षक ने पीटा

लखनऊ। लखनऊ के सैरपुर इलाके के रामेश्वरम कॉलेज में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां फीस जमा न करने के विवाद को लेकर मैकेनिक्स के शिक्षक मृत्युंजय प्रताप सिंह ने बीटेक के छात्र आयुष दीक्षित को बेरहमी से पीटा। यही नहीं, जब छात्र के पिता और उनके साथी इस मुद्दे पर बात करने कॉलेज पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई और बंधक बना लिया गया। मदेयगंज के खदरा निवासी आयुष दीक्षित 23 जनवरी को अपने कॉलेज, रामेश्वरम कॉलेज में परीक्षा देने गया था। परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले शिक्षक ने उससे नो ड्यूज पर डायरेक्टर के हस्ताक्षर करवाने को कहा। आयुष ने जैसे-तैसे निदेशक

श्याम सुंदर राय से हस्ताक्षर करवाए और वापस लौटा, तो शिक्षक मृत्युंजय प्रताप सिंह ने देरी का हवाला देकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर शिक्षक ने आयुष को कई थप्पड़ जड़ दिए। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब आयुष घर लौटा तो उसने अपने पिता सुनील दीक्षित को घटना की जानकारी दी। घटना से आहत सुनील दीक्षित ने शुक्रवार को अपने बेटे और एक साथी के साथ कॉलेज जाकर शिक्षक से बात करने की कोशिश की।

सूडान में सेना का तांडव, खुलेआम 54 की हत्या

• क्यों भिड़े हैं मिलिट्री और पैरामिलिट्री?

एजेंसी । सूडान

उत्तर-पूर्वी अफ्रीकी देश सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच जारी लड़ाई के बीच एक बार फिर बड़ी हिंसा हुई है। ओमदुरमन शहर के एक खुले बाजार में पैरामिलिट्री द्वारा किए गए हमले में 54 लोगों की जान चली गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। बताया गया है कि यह हमला रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा सबरीन बाजार पर किया गया। सूडान में इस तरह का तांडव कोई नई बात नहीं है। कई सालों से वहां गृहयुद्ध जारी है। आइए जान लेते हैं कि क्या है इसका कारण और क्यों भिड़े हैं मिलिट्री और पैरामिलिट्री?

मारे जा चुके 28 हजार से अधिक लोग

दरअसल, सूडान में हिंसा का यह सिलसिला अप्रैल 2023 में शुरू हुआ था। इसका कारण था सेना और आरएसएफ के नेताओं के बीच का तनाव। यह देखते ही देखते खुली लड़ाई में बदल गया और सूडान की राजधानी खार्तूम और देश के अन्य शहरों में फैलता चला गया। इस लड़ाई में अब तक 28 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। लाखों लोग अपने घर-द्वार छोड़कर भागने को मजबूर हो चुके हैं। कुछ परिवार तो भूख से बचने के लिए घास तक खाने के लिए मजबूर हैं।

अप्रैल 2023 से शुरू हुई थी लड़ाई

सूडान में जनरल बुरहान की अगुवाई में सूडान सशस्त्र बल (एसएएफ) और जनरल मोहम्मद हमदान डागलो के नेतृत्व में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) में 15 अप्रैल 2023 को लड़ाई शुरू हो गई। वैसे तो पूरा देश इससे प्रभावित है पर मुख्य तौर पर शहरी इलाके इनके शिकार बनने लगे। इस लड़ाई को लेकर जनरल डागलो ने कई ट्वीट (अब एक्स) किए थे। इसमें उन्होंने कहा था कि जनरल बुरहान की सरकार कट्टरपंथी इस्लामिक सरकार है। वह और आरएसएफ सूडान के लोगों के लिए लड़ रहे हैं, जिससे लोकतांत्रित प्रगति की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। इस लड़ाई के कारण केवल महीने भर में बड़े पैमाने पर विस्थापन हो गया था। अप्रैल से मई 2023 के बीच 80 हजार से अधिक सूडान के नागरिक पड़ोसी देशों में भाग गए थे। 25 मिलियन से ज्यादा लोग इस युद्ध की चपेट में आ चुके थे, जिनके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मानवीय सहायता की जरूरत बताई थी।

यह था आरएसएफ का प्लान

वास्तव में साल 2021 के अक्तूबर में सूडान में तख्तापलट के बाद देश का शासन जनरलों की काउंसिल चला रही है। इनमें से दो अहम हैं शस्त्र बलों के मुखिया जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान और उनके डिप्टी आरएसएफ के नेता जनरल मोहम्मद हमदान डागलो। सैन्य शासन के बाद जब देश नागरिक सरकार की ओर बढ़ने लगा तो दोनों के बीच मतभेद उभरकर सामने आ गए। आरएसएफ का प्लान था कि वह अपने एक लाख सदस्यों को सूडान की सेना में समाहित कर देगा, जिससे आरएसएफ ही नए बल का संचालन करेगा। आरएसएफ का यह प्लान सामने आने के बाद जनरल बुरहान ने कहा था कि वह देश में नागरिक शासन की वापसी के समर्थक हैं। वह केवल चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपेंगे। वहीं, कुछ लोगों को आशंका थी कि जनरल बुरहान के संबंध सत्ता से हटाए गए राष्ट्रपति फील्ड मार्शल उमार अल-बशीर से हैं। हालांकि, सूडान की सेना इससे इनकार करती रही है। दूसरी ओर, यह भी आशंका जताई जा रही थी कि ये दोनों ही जनरल देश पर अपनी-अपनी पकड़ बनाए रखना चाहते हैं।